RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:26 ता. 19 जूलाई 2023, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

ग्वालियर से एमपी में चुनावी मिशन का आगाज करेगी कांग्रेस, प्रियंका गांधी की बड़ी रैली

सिंधिया द्वारा कांग्रेस छोड़ने के बाद पहली बार ग्वालियर जा रहीं प्रियंका गांधी ग्वालियर के मेला ग्राउंड में विशाल रैली को संबोधित करेंगी। मध्य प्रदेश में इस साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं।

ग्वालियर। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी शुक्रवार को ज्योतिरादित्य सिंधिया के गढ़ ग्वालियर में एक बड़ी रैली करने जा रही हैं।केंद्र की भाजपा सरकार में मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत ने 2020 में मध्य प्रदेश में कांग्रेस की राज्य सरकार को गिरा दिया था। सिंधिया द्वारा कांग्रेस पार्टी छोड़ने के बाद पहली बार ग्वालियर जा रहीं प्रियंका गांधी ग्वालियर के मेला ग्राउंड में एक विशाल रैली को संबोधित करेंगी। मध्य प्रदेश में इस साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं। 2020 में पूर्व कांग्रेसी नेता सिंधिया ने बगावत कर दी थी और मंत्रियों सहित 22 विधायकों को साथ लेकर भाजपा में चले गए, जिससे तत्कालीन कांग्रेस मुख्यमंत्री कमलनाथ को पद से इस्तीफा देना पड़ा था। प्रियंका गांधी की रैली से सात जिलों के 30 विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरने की उम्मीद है। इस रैली से पहले ग्वालियर में कांग्रेस प्रभारी का नेतृत्व सिंधिया के धुर विरोधी और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह कर रहे हैं, जबकि सिंधिया ने पहले कहा था कि कांग्रेस आलाकमान ने बड़ी प्रशासनिक भूमिका की उनकी मांग को कभी गंभीरता से नहीं लिया। द इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, दिग्विजय सिंह, पूर्व राज्य मंत्री अजय सिंह और कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी जेपी अग्रवाल रैली के डिटेल की योजना बना रहे हैं। जून में जबलपुर में अपनी पहली रैली में प्रियंका गांधी ने कांग्रेस के पांच चुनावी वादों - पुरानी पेंशन की बहाली, कृषि ऋण माफी, 100 यूनिट बिजली मुफ्त और

200 यूनिट आधे दाम पर, महिलाओं के लिए 1500 रुपये पेंशन और 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर देने की घोषणा की थी। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस पार्टी मध्य प्रदेश में बेरोजगार युवाओं को आर्थिक प्रोत्साहन देने का वादा करने की योजना बना रही है। वह जल्द ही एक रैली में इसका ऐलान कर सकती हैं। कांग्रेस भाजपा के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर पर भरोसा कर रही है, जो 2003 से राज्य में सत्ता में है, एक साल से अधिक की छोटी अवधि को छोड़कर जब कांग्रेस दिसंबर 2018 से मार्च 2020 तक सत्ता में थी। हालांकि, आप और के चंद्रशेखर राव का प्रवेश मध्य प्रदेश में भारत राष्ट्र समिति के नेतृत्व वाली पार्टी चुनावी राज्य में स्थिति बिगाड़ सकती है।

पायलट की तबीयत बिगड़ने पर 68 साल की महिला यात्री ने चलाया प्लेन, लैंडिंग के वक्त हुआ क्रैश

नई दिल्ली। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर से उड़ान भरने वाला एक प्राइवेट प्लेन लैंडिग के वक्त क्रैश हो गया। इस दौरान हवा में पायलट की तबीयत बिगड़ गई। बताया जा रहा है कि 79 साल का बुजुर्ग पायलट की मेडिकल इमरजेंसी के बाद 68 साल की महिला यात्री ने प्लेन संभाला। महिला प्लेन को अच्छे से उड़ा भी रही थी लेकिन, लैंडिंग के वक्त प्लेन क्रैश हो गया। स्थानीय पुलिस के मुताबिक, प्लेन मैसाचुसेट्स द्वीप पर क्रैश हुआ। पायलट की उम्र 79 वर्ष बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, शनिवार को न्यूयार्क के वेस्टचेस्टर काउंटी से उड़ान भरने के बाद पायलट की अज्ञात कारणों से तबीयत बिगड़ गई। पायलट की

मेडिकल इमरजेंसी पर प्लेन में सवार 68 साल की बुजुर्ग महिला यात्री ने प्लेन को संभाला। लेकिन, मैसाचुसेट्स द्वीप में मार्था वाइनयार्ड हवाई अड्डे पर विमान को क्रैश कराने में कामयाब रही। इस मामले में मैसाचुसेट्स राज्य पुलिस ने हालांकि विमान में सवार यात्रियों और पायलट के बारे में अधिक जानकारी देने से इनकार कर दिया है। लेकिन, यह जरूर कहा कि दुर्घटना रनवे के बाहर एक कठिन लैंडिंग के कारण हुई। जिसके कारण विमान का बायां पंख आधा टूट गया था। क्रैश के बाद घटनाक्रम की एक वीडियो क्लिप भी सामने आई है। इसमें एयरपोर्ट अधिकारियों और पुलिस टीम को प्लेन के इर्द-गिर्द देखा जा सकती है। स्थानीय पुलिस ने कहा कि विमान ग्राउंडिंग की सामान्य तैयारी के बिना ही उड़ा था। पायल और महिला यात्री को बोस्टन के एक अस्पताल में ले जाया गया है। इस मामले में पुलिस ने जांच भी शुरू कर दी है।

आतंकियों के खात्मे की सुबह, कश्मीर के पुंछ में 4 आतंकी ढेर; रात से चल रही थी मुठभेड़

रात को करीब 11:30 बजे आतंकियों से सुरक्षा बलों के जवानों का सामना हुआ था। इसके बाद ड्रोन और अन्य सर्विलांस उपकरणों की मदद ली गई।

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में सुरक्षा बलों को मंगलवार की सुबह ही बड़ी कामयाबी मिली है। सोमवार देर रात से चल रही मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने 4 आतंकवादियों को मार गिराया है। पुलिस और सुरक्षा बलों के साझा अभियान के दौरान इन्हें मार गिराया गया। पुंछ के सिंधारा इलाके में यह मुठभेड़ चल रही थी। रात को करीब 11:30 बजे आतंकियों से सुरक्षा बलों के जवानों का सामना हुआ था। इसके बाद ड्रोन और अन्य सर्विलांस उपकरणों की मदद ली गई। फिर उन्हें खोज-खोजकर एनकाउंटर में मार गिराया गया। आज तड़के ही आतंकियों ने सुरक्षा बलों पर फायरिंग शुरू कर दी थी। इस पर जवाबी कार्रवाई

करते हुए सेना, राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवानों ने आतंकियों को मार गिराया। सैन्य सूत्रों का कहना है कि मारे गए आतंकियों के सीमा पार से घुसपैठ करके आने की आशंका है। हालांकि अब तक इन आतंकियों के शवों की पहचान नहीं हो सकी है। एडीजीपी मुकेश सिंह ने बताया कि यह मुठभेड़ पुंछ जिले के सुरनकोट इलाके के सिंधारा में हुई थी। इस दौरान सुरक्षा बलों ने ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल कर आतंकियों को खोज-खोजकर मारा। इस तरह तकनीक की मदद से आतंकियों को मारना भी आसान हो रहा है।

कांग्रेस के दिग्गज नेता ओमान चांडी का निधन, पार्टी नेताओं ने जताया शोक

नई दिल्ली। कांग्रेस के अनुभवी नेता और केरल के पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार की सुबह निधन हो गया है। ओमन चांडी के बेटे ने अपने पिता के निधन की पुष्टि की है। कांग्रेस ने अपने अनुभवी नेता के निधन पर शोक व्यक्त किया। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि केरल के पूर्व मुख्यमंत्री ने अपनी अटूट प्रतिबद्धता और दूरदर्शी नेतृत्व के साथ राज्य की प्रगति और देश की राजनीति पर एक अमिट छाप छोड़ी है।

कांग्रेस ने शोक व्यक्त किया

कांग्रेस ने शोक व्यक्त करते हुए ट्विटर पर कहा, ÷केरल के पूर्व मुख्यमंत्री और सम्मानित कांग्रेस नेता ओमन चांडी के निधन पर गहरा दुख हुआ। राजनीति में एक दिग्गज, केरल की प्रगति और विकास में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। एक सच्चे राजनेता, वह अपने पीछे एक ऐसी विरासत छोड़ गए हैं, जो पीढ़ियों को प्रेरित

करेगी। इस कठिन समय में उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदना। उनकी आत्मा को शाश्वत शांति मिले।

पार्टी अध्यक्ष ने किया ट्वीट

पार्टी अध्यक्ष खरगे ने चांडी के निधन पर शोक व्यक्त किया और नेता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वह एक कट्टर कांग्रेसी थे, जो जनता के नेता के रूप में खड़े थे। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा, ÷उनकी अटूट प्रतिबद्धता और दूरदर्शी नेतृत्व ने केरल की प्रगति और देश के राजनीतिक परिदृश्य पर अमिट छाप छोड़ी। लोगों के प्रति उनके समर्पण और सेवा के लिए उन्हें याद किया जाएगा। परिवार और समर्थकों के प्रति संवेदना।

पीएम मोदी ने याद किए खास पल

कांग्रेस के अनुभवी नेता के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक जताया। पीएम नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, ÷ओमान चांडी जी के निधन से, हमने एक विनम्र और समर्पित नेता खो दिया है, जिन्होंने अपना जीवन सार्वजनिक सेवा के लिए समर्पित कर दिया और केरल की प्रगति के लिए काम किया। मुझे उनके साथ अपनी विभिन्न बातचीत याद है, खासकर जब हम दोनों हमारे संबंधित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के रूप में कार्य किया और बाद में जब मैं दिल्ली चला गया। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और समर्थकों के साथ हैं। उनकी आत्मा को शांति मिले।

गंगोत्री-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग मलबा आने से अवरुद्ध

बड़ी संख्या में चारधाम यात्री फंसे

उत्तरकाशी। उत्तराखंड में भारी बारिश से गंगोत्री -यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग मलबा आने से बंद हो गया है। इधर गंगोत्री हाइवे पर मनेरी भाली प्रथम बांध डाम के पास अचानक मलबा आने से एक टेंपो पलट गया। चालक ने कूदकर अपनी जान बचाई। यमुनोत्री हाइवे झर झर गार्ड के पास मलबा आने से अवरुद्ध है। गंगोत्री-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग बंद होने से चारधाम यात्रियों सहित स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ गई है। बड़ी संख्या चारधाम यात्री मार्ग में फंस गए हैं। रास्ते बंद होने से स्कूली बच्चे भी परेशान है। आपदा परिचालन केंद्र के अनुसार गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग को बीआरओ और यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग को एनएच विभाग बडकोट खोलने में जुटा हुआ है।

गुरुग्राम में सैकड़ों घरों पर लटकी सीलिंग की तलवार, 400 मकान मालिकों को भेजे गए नोटिस

गुरुग्राम। गुरुग्राम में सैकड़ों मकानों पर सीलिंग की तलवार लटक रही है। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण सेक्टरों के आवासीय मकानों में व्यावसायिक गतिविधियां चलाने वालों पर कार्रवाई करेगा। संपदा दफ्तर-1 विकास ढांडा ने 16 सेक्टरों के 400 मकान मालिकों को व्यावसायिक गतिविधियां बंद करने का नोटिस दिया है। ऐसा न करने पर मकान सील कर दिए जाएंगे। सेक्टर के मकानों में पीजी, क्लीनिक, बीमा ऑफिस, प्ले स्कूल, बूटिक, जिम और खेल अकादेमी चलाई जा रही हैं। सेक्टर-10ए में 88, सेक्टर-10 में 52, सेक्टर-14 के 41 मकानों में ऐसी गतिविधियां चल रही हैं। उन्होंने कहा कि सितंबर 2021 से फरवरी 2022 तक

संपदा दफ्तर-1 एरिया के 16 सेक्टर में सर्वे ब्रांच की टीम ने मकानों का सर्वे किया था। इसमें 400 आवासीय मकानों में व्यावसायिक गतिविधियां पाई थीं। नोटिस देने के बाद न तो जवाब मिला और न ही बंद की गई। अब नोटिस देकर बंद नहीं करने पर सीलिंग की चेतावनी दी गई है। उन्होंने कहा कि सेक्टर निवासियों की ओर से लगातार शिकायत मिल रही है कि मकानों में व्यावसायिक गतिविधियां बंद नहीं हुई है। इससे आसपास के लोगों को परेशानी हो रही है। अब विभाग ने कॉलोनियों में ऐसी गतिविधियां रोकने के लिए सर्वे शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

कॉलोनियों में सर्वे शुरू

जिला नगर योजनाकार प्रवर्तन विभाग की गठित टीमें बिल्डर कॉलोनियों में सर्वे कार्य शुरू कर दिया है। तीन टीमों को अलग-अलग कॉलोनियों में सर्वे करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। यह टीमें बिल्डर कॉलोनियों में जाकर आवासीय मकानों में व्यावसायिक और अवैध निर्माण को चेक करके रिपोर्ट तैयार करेंगे। पहली टीम में जेई आकाश और एफटी पारस को लगाया गया है। इस टीम को डीएलएफ फेज-3 से 5 तक, सुशांतलोक फेज-1 से 3 तक, साउथ सिटी-1, मालिबू टाउन, आरडी सिटी शामिल है। दूसरी टीम में जेई राजन के साथ एफटी प्रशांत है। इनको वाटिका, पालम विहार, सरस्वती कुंज, विपुल वर्ल्ड, बीपीटीपी 102-102ए, सन सिटी प्रोजेक्ट शामिल है, जबकि तीसरी टीम में जेई नरेश के साथ एफटी रोहन है। यह टीम डीएलएफ फेज-1 से 2 तक, साउथ सिटी-2, मेफील्ड गार्डन आदि में सर्वे करेगी।

दिल्ली में येलो अलर्ट, उत्तराखंड समेत इन राज्यों में 5 दिन भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। देशभर में भारी बारिश के चलते आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मौसम विभाग ने दिल्ली, उत्तरखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब-हरियाणा सहित कई राज्यों में बारिश होने की संभावना जताई है। अगले पांच दिनों तक कई राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

देशभर में बीते दिनों से झमाझम बारिश हो रही है। पहाड़ी से मैदानी इलाकों तक भारी बारिश ने तबाही मचा रखी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार आने वाले कुछ दिनों तक मौसम का ऐसा ही मिजाज रहने वाला है। बाढ़ से परेशान दिल्लीवालों को फिलहाल तो मौसम की मार से राहत नहीं मिलने वाली है। मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी करते हुए दिल्ली में अगले 5 दिन बारिश की आशंका जताई है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, यूपी, बिहार, राजस्थान, गुजरात सहित कई राज्यों में आने वाले कुछ दिनों तक तूफानी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। ढ्ढरूष्ठ के मुताबिक, उत्तर पूर्वी और पूर्वी भारत के हिस्सों में अगले चार से पांच दिनों तक हल्की बारिश देखने को मिलेगी।

दिल्ली में यमुना के जलस्तर में फिर बढ़ोतरी

देश की राजधानी दिल्ली में यमुना में उफान के कारण मुश्किल कम होने का नाम नहीं ले रही है। बारिश के अलर्ट के बीच दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर फिर बढ़ने लगा है। यमुना के जलस्तर में बढ़ोतरी के चलते दिल्ली के कई इलाके पानी में डूबे हुए हैं। दिल्ली के ढ्ढञ्जह्र इलाके में काफी पानी भरा हुआ है। सुबह बारिश हो जाने के चलते ढ्ढञ्जह्र ब्रिज पर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया।

यूपी में भारी बारिश से नदियां उफान पर

उत्तर प्रदेश में भारी बारिश के कारण कई नदियां उफान पर हैं। राज्य के 10 जिलों के 396 गांव बाढ़ की चपेट में है। इन 10 जिलों में अलीगढ़, बिजनौर, फर्रुखाबाद, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, मथुरा, मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर और शामली के कुल 396 गांव शामिल हैं। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान राज्य के कुछ स्थानों पर बारिश होने की संभावना जताई है।

ईडी ने कोलकाता के मशहूर कारोबारी कौस्तव रॉय को किया गिरफ्तार

कोलकाता । कोलकाता के मशहूर कारोबारी कौस्तव रॉय को केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने वित्तीय हेराफेरी के मामले में गिरफ्तार कर लिया। देररात तक की गई लंबी पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। बताया गया है कि उन्होंने जांच में असहयोग किया। इसके पहले दिसंबर 2022 में ईडी ने उनकी कंप्यूटर कंपनी आरपी इन्फो सिस्टम लिमिटेड के दफ्तरों में छापा मारा था । मार्च 2018 में सीबीआई ने भी कौस्तव को गिरफ्तार किया था। वह कोलकाता के एक मशहूर टीवी चैनल के मालिक और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के करीबी माने जाते हैं। उनके

बिजनेस पार्टनर शिवाजी पांजा रहे हैं। पांजा ममता के बेहद खास हैं। केनरा बैंक को दोनों ने मिलकर 515 करोड़ रुपये का चूना लगाया है। इसी मामले में मई 2015 में सीबीआई ने प्राथमिकी दर्ज की थी। इसके बाद ईडी ने धन शोधन की जांच शुरू की थी। केनरा बैंक सहित नौ अन्य बैंकों से लोन लेकर बड़ा वित्तीय नुकसान कौस्तव रॉय और उनकी कंपनी ने पहुंचाया है।

अमेरिका ने भारत को लौटाई 105 प्राचीन कलाकृतियां

नई दिल्ली ।पीएम मोदी के अमेरिकी दौरे का असर दिखने लगा है।अमेरिका ने मंगलवार को भारत को 105 प्राचीन कलाकृतियां सौंपी।ये कलाकृतियां भारत से चोरी कर ले जाई गई थीं। जून में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका के ऐतिहासिक राजकीय यात्रा के बाद ये कलाकृतियां सौंपी गई हैं। न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास में एक कार्यक्रम का आयोजन कर 105 तस्करी वाले पुरावशेषों सौंपे गए।भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा कि हम भारत में आवश्यक कलाओं को वापस लाने के लिए अमेरिका सरकार में एक दूतावास के रूप में काम कर रहे हैं।यह अक्सर भारत से आते हैं, कभी-कभी यह चोरी होते हैं, अवैध रूप से बेचे जाते हैं।जिला अटॉर्नी कार्यालय और मेट्रोपोलियन संग्रहालय ऐसी कलाओं को की पहचान कर उसे भारत वापस भेजने की कोशिश कर रहा है। यह सांस्कृतिक समझौता है जिसकी घोषणा प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति जो बाइडन ने राज्य दौरे के दौरान की थी।

45 साल में पहली बार ताजमहल परिसर पहुंची यमुना

आगरा ।तेजी से बढ़ते जलस्तर के कारण यमुना का पानी 45 साल में पहली बार ताजमहल परिसर तक पहुंच गया है। ताजमहल के पीछे बने गार्डन में भी यमुना का पानी भर गया है। एत्माद्दौला स्मारक से सटकर यमुना बह रही है। शहर के कई इलाकों में बाढ़ का पानी घुस गया है। पोइयाघाट और ताजगंज श्मशान दोनों जलमग्न हैं।आगरा में यमुना खतरे के निशान से ढाई फीट ऊपर बह रही है।जलस्तर के एक से दो फीट तक और बढ़ने का अनुमान है।सोमवार को गोकुल बैराज से आगरा की ओर 1,46,850 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। बैराज से हर घंटे पानी छोड़ा जा रहा है। इससे आगरा में यमुना जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है।सोमवार को यमुना का जलस्तर 497.4 फीट पर पहुंच गया।सिंचाई विभाग का अनुमान 499 फीट पहुंचने का है।लोगों से नदी किनारे न जाने की अपील की जा रही है।यमुना के सभी घाटों पर बेरिकेडिंग की गई है। आगरा में यमुना के किनारे पर ताजमहल, एत्माद्दौला, मेहताब बाग, चीनी का रोजा, रामबाग समेत कई स्मारक बने हुए हैं। जलस्तर बढ़ने से यमुना ताजमहल की दीवार तक पहुंच गई है।यहां एएसआइ ने पहले प्लिंथ प्रोटेक्शन का काम किया था।वहां तक यमुना का पानी पहुंच गया है।एत्माद्दौला की यमुना किनारे बनी कोठरियों में एक से डेढ़ फुट तक पानी भर गया।रामबाग, चीनी का रोजा, काला गुंबद, जोहरा बाग एत्माद्दौला, मेहताब बाग की दीवार से यमुना सटकर बह रही है।दयालबाग में निचले इलाकों में पानी भरना शुरू हो गया है। इसके लिए प्रशासन ने दयालबाग की तनिष्क राजश्री कॉलोनी में नोटिस लगाया है।कालोनी के सभी 33 मकानों को खाली करने के लिए कहा गया है।

अब तक ढाई लाख से अधिक लोग कर चुके हैं बाबा अमरनाथ के दर्शन

श्रीनगर।अब तक देश में ढाई लाख से अधिक लोग बाबा अमरनाथ के दर्शन कर चुके हैं।श्राइन बोर्ड अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार अमरनाथ यात्रा के 17वें दिन 20,000 से अधिक लोगों ने यात्रा की, जबकि 6,225 यात्रियों का एक और जत्था मंगलवार को जम्मू से घाटी के लिए रवाना हुआ।अधिकारियों ने बताया कि इस साल की अमरनाथ यात्रा एक जुलाई को शुरू होने के बाद से अब तक 2.50 लाख से अधिक तीर्थयात्री यात्रा कर चुके हैं। बता दें कि 6,225 यात्रियों का एक और जत्था एक सुरक्षा काफिले में आज सुबह जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से रवाना हुआ। अधिकारियों ने कहा कि इनमें से 2,511 उत्तरी कश्मीर बालटाल बेस कैंप जा रहे हैं जबकि 3,714 पहलगाम बेस कैंप जा रहे हैं।इस बीच सोमवार को तीन तीर्थयात्रियों की मौत हो गई, जिससे वर्तमान यात्रा के दौरान मरने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या 30 हो गई है।अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को जिन तीन लोगों की मौत हुई, उनमें से एक उत्तर प्रदेश, दूसरा राजस्थान और तीसरा मध्य प्रदेश का था। जहां दो की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई, वहीं तीसरे तीर्थयात्री की मौत के सही कारण का अभी भी पता लगाया जा रहा है।अमरनाथ यात्रा के लिए यात्री या तो पारंपरिक दक्षिण कश्मीर पहलगाम मार्ग से हिमालय गुफा मंदिर तक पहुंचते हैं, जिसमें पहलगाम बेस कैंप से 43 किलोमीटर की चढ़ाई होती है या उत्तरी कश्मीर बालटाल बेस कैंप से 13 किलोमीटर की चढ़ाई होती है।पारंपरिक पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में 3-4 दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग का उपयोग करने वाले लोग समुद्र तल से 3,888 मीटर ऊपर स्थित गुफा मंदिर के अंदर दर्शन करने के बाद उसी दिन आधार शिविर में लौट आते हैं।दोनों मार्गों पर यात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं भी उपलब्ध हैं। गुफा मंदिर में एक बर्फ की संरचना है जिसके बारे में भक्तों का मानना है कि यह भगवान शिव की पौराणिक शक्तियों का प्रतीक है।

कर्नाटक सरकार का बड़ा फैसला, 35 हजार मंदिरों में मोबाइल फोन की नो एंट्री

बेंगलुरु।कर्नाटक सरकार ने मंदिर के कर्मचारियों और भक्तों की परेशानी का हवाला देते हुए मुजराई विभाग के अधिकार क्षेत्र में आने वाले 35,000 से अधिक मंदिरों में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने का एक परिपत्र जारी किया है। विभाग द्वारा जारी परिपत्र में मंदिरों को भक्तों को इसकी जानकारी देने वाले साइनबोर्ड लगाने का निर्देश दिया गया है।सरकार ने अपने आदेश में कहा कि हाल ही में मोबाइल फोन का उपयोग बढ़ गया है, जिससे मंदिर के कर्मचारियों और अन्य भक्तों को परेशानी हो रही है और इसलिए लोगों को मंदिर में अपने मोबाइल फोन बंद करने का निर्देश दिया गया है।मुजराई विभाग के अतिरिक्त सचिव द्वारा हस्ताक्षरित आदेश में सभी मंदिर प्रशासकों को मंदिर में साइनबोर्ड पर संदेश प्रदर्शित करने की व्यवस्था करने को कहा गया है। हालाँकि, इसे कैसे लागू किया जाएगा और आदेश का पालन नहीं करने वाले लोगों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाएगी, इस पर कोई स्पष्टता नहीं है। मुजराई विभाग के अंतर्गत मंदिरों को उनके द्वारा उत्पन्न राजस्व के आधार पर तीन वर्गों के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। विकास पर प्रतिक्रिया देते हुए, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा, 卐मुझे लगता है कि मंदिर प्रशासन को इन चीजों के बारे में निर्णय लेने में स्वतंत्र हाथ होना चाहिए।

कश्मीरी सिख कर रहे मदद, प्रभावित इलाकों में भेज रहे राहत सामग्री

चंडीगढ़ ।कश्मीर में रह रहे सिखों ने बाढ़ प्रभावितों के लिए रहात सामग्री भेजी है।गौरतलब है कि पंजाब के कई इलाके बाढ़ से काफी प्रभावित हैं।जिनकी मदद के लिए राज्य सरकार के अलावा कई स्वयंसेवी संगठन तो आगे आये ही हैं साथ ही कश्मीर में रह रहे सिखों ने भी मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाया है।कश्मीर के सिखों का कहना है कि जब 2014 में कश्मीर में बाढ़ आई थी तो सभी ने हमारी मदद की थी इसलिए हमारा भी फर्ज बनता है कि पंजाब को ऐसे मुश्किल समय में मदद करें।जानकारी के अनुसार श्रीनगर में गुरुद्वारों में बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री एकत्र कर उन्हें प्रभावित इलाकों में भेजा जा रहा है। यहां सिख समुदाय मुस्लिमों के साथ मिलकर खाद्य सामग्री और दैनिक उपभोग की वस्तुओं को एकत्र कर रहा है। सभी समुदाय एकजुट होकर यही कोशिश कर रहे हैं कि बाढ़ प्रभावितों की ज्यादा से ज्यादा मदद की जा सके। वहीं पंजाब में भारी बारिश से संबंधित घटनाओं में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 35 हो गई है। भारी बारिश के कारण कई जिले बाढ़ से जलमग्न हो गए हैं। बाढ़ से प्रभावित इलाकों से अब तक 27 हजार से ज्यादा लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया जा चुका है।

तरनतारन के पास पाकिस्तानी ड्रोन से गिराई हेरोइन बरामद

चंडीगढ़ । सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब के तरनतारन जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पाकिस्तानी ड्रोन से गिराई गई दो किलोग्राम से अधिक हेरोइन बरामद की।बीएसएफ अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों को 17 और 18 जुलाई की बीती रात को कुछ संदिग्ध आवाज सुनाई दी थी, जिसके बाद मंगलवार सुबह चले एक तलाशी अभियान के दौरान कलसियां खुर्द गांव के एक खेत से 2.35 किलोग्राम हेरोइन से भरा पैकेट बरामद हुआ। बीएसएफ ने ट्वीट किया, ड्यूटी के दौरान बीएसएफ जवानों ने एक पाकिस्तान ड्रोन के सीमा बाड़ के पास खेतों में नशीला पदार्थ गिराने की आवाज सुनी।तलाशी अभियान के दौरान तरनतारन जिले के कलसियां खुर्द गांव में लगभग 2.35 किलोग्राम हेरोइन की एक खेप बरामद की गई।

भारत-चीन बॉर्डर के पास 'स्टील स्लग रोड' बना रही है सरकार, मौसम की मार का नहीं पड़ेगा कोई असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत अरुणाचल प्रदेश में भारत-चीन सीमा पर मजबूत और अधिक टिकाऊ सड़कें बनाने के लिए इस्पात उत्पादन के दौरान उत्पन्न अपशिष्ट स्टील स्लैग का उपयोग कर रहा है। सड़क निर्माण के लिए स्टील स्लैग का उपयोग करने की तकनीक सीएसआईआर-सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीआरआरआई) द्वारा विकसित की गई थी, जो स्टील संयंत्रों द्वारा उत्पन्न स्लैग की समस्या का समाधान करने के लिए तैयार है। सीएसआईआर-सीआरआरआई का दौरा करते हुए सिंह ने कहा कि स्टील स्लैग सड़कें न केवल पारंपरिक पक्की सड़क की तुलना में लगभग 30 प्रतिशत सस्ती हैं, बल्कि अधिक टिकाऊ और मौसम की अनिश्चितताओं के प्रति प्रतिरोधी भी हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले साल जून में गुजरात का सूरत सीएसआईआर-सीआरआरआई, केंद्रीय इस्पात मंत्रालय, नीति आयोग के संयुक्त उद्यम परियोजना के हिस्से के रूप में संसाधित स्टील स्लैग रोड बनाने वाला देश का पहला शहर बन गया। अधिकांश इस्पात संयंत्रों में इस्पात बनाने की प्रक्रिया के दौरान अयस्क से पिघली अशुद्धियों से स्लैग बनता है। प्रयोगात्मक रूप से स्लैग से पक्की की गई छह लेन वाली सड़क का विस्तार

मौसम के साथ-साथ हजारों भारी ट्रकों की मार का विरोध करता है, भले ही सतह प्राकृतिक समुच्चय से पक्की सड़कों की तुलना में 30 प्रतिशत उथली है। उन्होंने कहा कि सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने भारत-चीन सीमा क्षेत्र के साथ अरुणाचल प्रदेश में लंबे समय तक चलने वाली भारी-भरकम सड़क के निर्माण के लिए स्टील स्लैग का भी उपयोग किया है।

सिंह ने कहा कि स्टील स्लैग की आपूर्ति टाटा स्टील द्वारा निःशुल्क की गई और भारतीय रेलवे द्वारा इसे जमशेदपुर से अरुणाचल प्रदेश तक पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने मुंबई-गोवा राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्टील स्लैग रोड तकनीक का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है।

मुंबई में दोबारा 26/11 जैसा आतंकी हमला करने की मिली धमकी

मुंबई ।आतंकियों ने एक मैसेज भेजकर मुंबई में एक बार फिर 26/11 जैसे हमले की धमकी दी है।पुलिस को मिली इस धमकी में यह कहा गया है कि एक बार फिर मुंबई दहलने वाली है।यह धमकी मुंबई ट्रैफिक कंट्रोल को आई है। इस मैसेज में अज्ञात शख्स ने धमकी दी है कि यूपी में योगी आदित्यनाथ की सरकार और मोदी सरकार निशाने पर है।इतना ही नहीं आरोपी ने मैसेज में आगे कहा कि कुछ जगह कारतूस और एके 47 पहुंच गए हैं। मैसेज से मिली धमकी में कहा गया है कि मुंबई में 26/11 हमला दोहराया जाएगा।मुंबई पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। और अज्ञात शख्स की तलाश में जुट गई है। इस मामले में वर्ली पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ आईपीसी की धारा 509 (2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। गौरतलब है कि पांच दिन पहले मुंबई पुलिस को एक धमकी भरा फोन कॉल आया था।हालांकि, इस बार मैसेज के जरिये धमकी दी गयी है। पिछली बार जो धमकी आई थी उसमें पाकिस्तान से आई सीमा हैदर को वापस भेजने की बात कही गयी थी। जबकि इस बार सीधा योगी और मोदी सरकार को निशाना बनाने की बात कही गयी है।हालांकि फिलहाल सीमा हैदर से यूपी पुलिस पूछताछ कर रही है।सरहद पार से आई सीमा हैदर पाकिस्तान के सिंध प्रांत की जैस्माबाद की रहने वाली है। डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक, गुलाम रजा नाम के शख्स से 2014 में उसकी शादी हुई थी।उसके चार बच्चे भी हैं।सीमा हैदर को अवैध रूप से भारत में रहने को लेकर अरेस्ट किया गया था।

'विपक्ष की बैठक दिशाहीन', राजनाथ सिंह बोले- भाजपा को जीत की हैट्रिक बनाने से कोई नहीं रोक सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि बेंगलुरु में विपक्षी एकता के प्रयासों पर चर्चा के बावजूद, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का जादू और सुशासन भारतीयों पर हावी है। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि भाजपा अपने वादों को पूरा कर रही है। उन्होंने जौर देते हुए कहा कि मैं विपक्षी खेमे में बहुत भ्रम और निराशा देख रहा हूं। लोकतंत्र में, सभी को अपने विचार रखने का अधिकार है, और हां, प्रत्येक चुनाव महत्वपूर्ण है...लेकिन मुझे लगता है कि विपक्ष को पहले से ही पता है कि भाजपा को जीत की हैट्रिक बनाने से कोई नहीं रोक सकता।

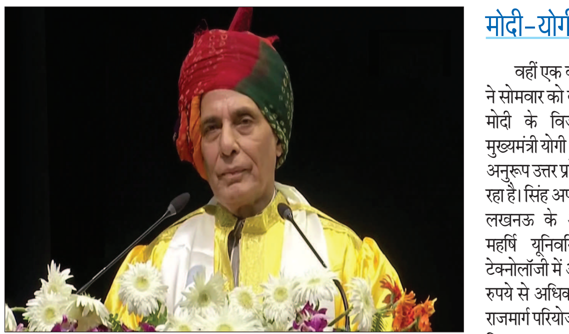

विपक्ष दिशाहीन

राजनाथ ने आगे कहा कि हमारे पास मोदी जैसा नेता है जबकि विपक्ष दिशाहीन है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने वादे पूरे किये हैं। कुछ वैचारिक मुद्दे थे जिनके प्रति हम जनसंघ के दिनों से ही प्रतिबद्ध थे। और आपने देखा होगा कि उनको कैसे क्रियान्वित किया गया है। हमारे जनसंघ के दिनों से ही हम अंत्योदय की बात करते थे, जिसका मतलब अंतिम व्यक्ति को जोड़ना और उसका उत्थान करना था। बीजेपी और पीएम मोदी के राज में ये सब हो रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि एनडीए बढ़ रहा है और हमारे नेतृत्व और नीतियों के कारण अधिक सहयोगी इसमें शामिल हुए हैं। हमारे पास महान नेतृत्व के साथ-साथ ऐसे प्रतिबद्ध कार्यकर्ता भी हैं। केंद्र में इन नौ वर्षों में, भाजपा ने कई गरीब-समर्थक योजनाएं शुरू की हैं। भारत का वैश्विक कद कई गुना बढ़ गया है। इसकी आवाज पहले से कहीं अधिक मायने रखती है।

मोदी-योगी की तारीफ

वहीं एक कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन (दृष्टिकोण) और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मिशन के अनुरूप उत्तर प्रदेश का विकास किया जा रहा है। सिंह अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र लखनऊ के आईआईएम रोड स्थित महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में आयोजित 3,300 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश से दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विजन' और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'मिशन' के अनुरूप उत्तर प्रदेश का विकास किया जा रहा है। योगी ने उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन (एक हजार अरब) अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है जो निकट भविष्य में पूरा होकर रहेगा।

गुजरात हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ राहुल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई 21 को

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को मोदी उपनाम मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाने से इनकार करने के गुजरात हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ उनकी याचिका पर 21 जुलाई को सुनवाई के लिए सहमत हुआ हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ राहुल गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी द्वारा मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने की मांग पर मामले को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। सिंघवी ने शीर्ष अदालत से याचिका को शुक्रवार (21 जुलाई) या सोमवार (24 जुलाई) को सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया। अदालत मामले को इस शुक्रवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमत हो गई है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, इस शुक्रवार को सूचीबद्ध करें।

15 जुलाई को, कांग्रेस नेता ने आपराधिक मानहानि मामले में अपनी दोषसिद्धि और दो साल की जेल की सजा पर रोक लगाने के गुजरात उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ सुप्रीम

कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, इसके कारण कांग्रेस नेता को अपनी लोकसभा सदस्यता गंवानी पड़ी। राहुल गांधी को मार्च में संसद सदस्य के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया था, जब सूरत की एक अदालत ने उन्हें दोषी ठहराया था और अप्रैल 2019 में कर्नाटक में एक चुनावी रैली के दौरान की गई उनकी टिप्पणी सभी चोरों का सामान्य उपनाम मोदी कैसे है के लिए दो साल की जेल की सजा सुनाई थी।

इसके पहले भाजपा विधायक और गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में शिकायतकर्ता पूर्णेश मोदी ने सुप्रीम कोर्ट में एक कैविएट दाखिल कर अनुरोध किया था कि अगर कांग्रेस नेता उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हैं तब उन्हें अपना पक्ष पेश करने का मौका दिया जाए।

बृज भूषण सिंह को कोर्ट से मिली अंतरिम जमानत, अगली सुनवाई 20 को होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला पहलवानों द्वारा यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर बृज भूषण सिंह को कोर्ट से अंतरिम जमानत मिल गई है। अब अगली सुनवाई 20 जुलाई को होगी। इधर बृज भूषण ने आरोप पत्र को शब्दशः रिपोर्ट किए जाने पर आपत्ति जताई और अदालत में मीडिया ट्रायल का भी आरोप लगाया। आरोपों का जवाब देते हुए अदालत ने कहा कि एक उचित आवेदन दायर किया जा सकता है। इसके बाद महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न मामले में दिल्ली की अदालत ने मंगलवार को निवर्तमान डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह को 2 दिन की अंतरिम जमानत दे दी। हालांकि अदालत निवर्तमान डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह की नियमित जमानत याचिका पर गुरुवार को दलीलें सुनने वाली है। अंतरिम जमानत 25,000 रुपये के बांड पर दी गई थी। बृज भूषण ने आरोप पत्र को शब्दशः रिपोर्ट किए जाने पर आपत्ति जताई और अदालत में मीडिया ट्रायल का भी आरोप लगाया। आरोपों का जवाब देते हुए अदालत ने कहा कि एक उचित आवेदन दायर किया जा सकता है।

इसके साथ ही डब्ल्यूएफआई के निलंबित सहायक सचिव विनोद तोमर को भी अंतरिम जमानत दे दी गई। कोर्ट नियमित जमानत याचिका पर गुरुवार को सुनवाई करेगी। इससे पहले भाजपा सांसद और डब्ल्यूएफआई के निवर्तमान अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह दिल्ली की एक अदालत के समक्ष पेश हुए और मांगी जमानत थी। राउज एवेन्यू कोर्ट में पेशी से पहले बृजभूषण के आवास के बाहर सुरक्षा कड़ी कर दी गई। गौरतलब है कि छह महिला पहलवानों ने बृजभूषण सिंह पर यौन उत्पीड़न करने और डराने-धमकाने का आरोप लगाया है।

चिराग ने खुद को बताया पीएम मोदी का हनुमान, बिहार में पूरी सीटें जिताने का दावा

पटना (एजेंसी)। चिराग पासवान ने खुद को पीएम मोंदी का हनुमान बताया है। उन्होंने दावा किया है कि वे इस बार बिहार में पूरी सीटें भाजपा के नाम करेंगे। हालांकि भाजपा विरोधी दलों की बेंगलुरु में विपक्षी एकता की मीटिंग के साथ ही नई दिल्ली में एनडीए में शामिल दलों 3की बैठक भी आज ही आयोजित है। इसको देखते हुए एनडीए खेमा की शक्ति और तब बढ़ गई जब चिराग पासवान ने लोक जनशक्ति पार्टी के एनडीए में आने की औपचारिक घोषणा कर दी। इस दौरान चिराग पासवान ने एक बार फिर स्वयं को नरेन्द्र मोदी के हनुमान के तौर पर प्रस्तुत किया। चिराग ने कहा कि पिछली बार एक सीट बिहार में नहीं जीते थे, इस बार चालीस की चालीस सीटें जीतने का लक्ष्य है। जानकारी के अनुसार चिराग पासवान ने दिल्ली में एक प्रेस वार्ता में एलजेपी रामविलास के एनडीए में शामिल होने की घोषणा करते हुए कहा कि उनकी पार्टी बीजेपी के खिलाफ नहीं, बल्कि

नीतीश कुमार के खिलाफ एनडीए से से अलग हुई थी। चिराग ने कहा, मैं चाहता था हमलोग एनडीए का हिस्सा बनें, लेकिन नीतीश कुमार के वापस एनडीए में आने के बाद हमलोग असहज थे। हमलोगों को लोक सभा में पिछली बार जेडीयू की तरफ से हराने की कोशिश की गई थी। हालांकि, हमलोगों ने मुद्दों के आधार पर कई बार बीजेपी को समर्थन दिया।

चिराग पासवान ने आगे कहा कि लोगों ने कहा कि आपकी पार्टी तोड़ी गई, आपका घर खाली कराया गया फिर भी मैं बीजेपी के साथ क्यों हूं? लेकिन, मैं यहां बता दूं कि मेरी व्यक्तिगत लड़ाई नहीं, ये बिहार के लिए लड़ाई है। चिराग पासवान ने खुद को पीएम मोदी का हनुमान बताते हुए कहा, उपचुनाव में मैंने उन्हीं संबंधों के आधार पर प्रचार किया था। चिराग ने यह भी स्पष्ट किया कि हमलोगों के कुछ शर्त नहीं बल्कि चिंताएं थीं, जिसे हमने नित्यानंद राय और बीजेपी नेताओं के समक्ष रखा। इस पर आम सहमति बनने के बाद एलजेपी रामविलास औपचारिक तौर पर एनडीए में शामिल हुई। लोजपा नेता ने कहा कि सीटों के बारे में बताना गठबंधन धर्म की मर्यादा के खिलाफ होगा। मंत्रिमंडल में शामिल होने के बारे में चिराग पासवान ने कहा कि पूर्ण रूप से प्रधानमंत्री के अधिकार क्षेत्र में आता है। ये गठबंधन मंत्रिमंडल के लिए नहीं किया गया है, बिहार और देश के विकास को लेकर किया गया है।

उन्होंने कहा कि वे अपने बयान पर कायम हैं। हाजीपुर की सीट पर चर्चा हुई है और एलजेपी रामविलास का प्रत्याशी ही हाजीपुर से चुनाव लड़ेगा। चिराग ने पशुपति कुमार पारस के हाजीपुर से लड़ने के दावे पर कहा कि मैं चाचा और भाई (प्रिंस राज) पर टिप्पणी करूंगा। वो बड़े हैं जो कहना है कह और डांट सकते हैं, लेकिन जनता के बीच सभी बातें नहीं बोलनी चाहिए। पारस चाचा के बारे में कोई बोलता है तो बुरा लगता है। चाचा फैसला ले चुके हैं कि चिराग के साथ नहीं जाना है।

सीमा का हो सकता है पॉलीग्राफ टेस्ट, जांच एजेंसी नहीं कर रही उस पर यकीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। जांच एजेंसी सीमा हैदर की बात पर यकीन नहीं कर रही है, इसलिए उसके पॉलीग्राफिक टेस्ट की भी बात की जा रही है। यही वजह है कि उसे बार-बार बयान के लिए तलब किया जा रहा है। पाकिस्तान के कराची से प्यार की खातिर भारत आने का दावा करने वाली सीमा हैदर पर जांच एजेंसियां नजर गड़ाई हुई हैं। जांच एजेंसियों के सीमा के जवाबों पर विश्वास नहीं हो रहा है। इसके चलते सीमा हैदर से लगातार पूछताछ की जा रही है। उन्हें शक है कि सीमा गुलाम हैदर सिर्फ उतना ही बता रही है जितना वो बताना चाहती है और जांच एजेंसियों को सीमा से वो सच जानना है जिसके लिए उसे बार-बार पूछताछ के लिए बुलाया जा रहा है। वहीं अब सीमा की पॉलीग्राफ टेस्ट को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही हैं। इसके पीछे कई वजहे बताई जा रही हैं। दरअसल सीमा गुलाम हैदर ने खुद को पाकिस्तान के जेखमाबाद थाना के मोहम्मद पुर रत्तोडेरो पोस्ट-कर्णकारिणी , सिंध प्रांत पाकिस्तान का बताया था। लेकिन सीमा हैदर फर्राटेदार हिंदी बोलने में माहिर है उसके शब्दों में उर्दू कहीं भी नजर नही आती है। सीमा से उसके मोबाइल फोन, टूटे मोबाइल फोन और उसके सिम के बारे में जानकारी मांगी गई। लेकिन उसने संतोषजनक जवाब नहीं दिया है। सीमा हर सवालों का जवाब पूरे कॉन्फिडेंस में देती है। किसी भी सवाल के जवाब देने में उसके चेहरे पर थोड़ी भी शिकन नहीं आती है।

रिपोर्ट के मुताबिक सीमा हैदर अपने पति गुलाम हैदर से पहले किसी और युवक से शादी करना चाहती थी। लेकिन उसे अचानक छोड़ दिया। फिर गुलाम हैदर से उसने शादी की, उसके बच्चे हुए। उसका पति गुलाम हैदर उसे छोड़कर सऊदी अरब चला गया और सीमा पाकिस्तान में अकेली रह रही थी। फिर वो कराची भी जाया करती थी, वहां उसका कौन था। इसकी जानकारी सीमा ने नहीं दी। सीमा ने पूछताछ के दौरान बताया कि उसने यू-ट्यूब के जरिए भारत तक आने की जानकारी लेने के बारे में बताया, जिस पर एजेंसियों को यकीन नहीं हो रहा है। वहीं नेपाल से भारत बॉर्डर पार करवाने वाला एजेंट कौन हैं, उसके बारे में भी सीमा ने खुलकर नहीं बताया है।

सीमा ने पाकिस्तान में अपना प्लॉट बेचकर आने का दावा किया था। लेकिन वो प्लॉट गुलाम हैदर का था या सीमा के नाम था या फिर किसी और के नाम था। इसकी जानकारी भी नहीं मिली। पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर सोमवार की शाम को तकरीबन 7 घंटे तक

एटीएस की पूछताछ में शामिल हुई। लेकिन एटीएस सीमा हैदर के जवाबों से संतुष्ट नहीं नजर आई। यही वजह है कि सीमा से पूछताछ के लिए अब जांच में कुछ ऐसे टेस्ट करके एजेंसी उसका सच जानना चाहती है।

अफगान शरणार्थियों के आतंकवादी कृत्यों में शामिल होने का सबूत नहीं

वाशिंगटन। इस्लामाबाद द्वारा अस्थिरता पैदा करने का आरोप लगाने के बाद व्हाइट हाउस ने कहा है कि पाकिस्तान में रह रहे या अफगानिस्तान के साथ लगने वाली सीमा पर रह रहे अफगान शरणार्थियों के आतंकवादी कृत्यों में शामिल होने के कोई संकेत नहीं मिले हैं। व्हाइट हाउस में राष्ट्रीय सुरक्षा प्रवक्ता जॉन किर्बी ने यह बात कही। दरअसल पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने दो दिन पहले कहा था कि देश में बढ़ते आतंकवादी हमलों के बीच अफगान शरणार्थियों को पाकिस्तान में बसने की अनुमति देना एक गंभीर गलती थी। आसिफ ने कहा था, ''मौजूदा स्थिति ने अफगान शरणार्थियों को प्रदान की गई सुविधाओं के संबंध में चिंताएं बढ़ा दी हैं।'' उन्होंने कहा कि अफगान शरणार्थियों को आश्रय और सुविधाएं देने के परिणाम पाकिस्तान को भुगतने पड़े हैं। उन्होंने अफगान नागरिकों पर आतंकी गतिविधियों में शामिल होने का भी आरोप लगाया। इस पर किर्बी ने कहा, पाकिस्तान में या अफगानिस्तान से लगने वाली उसकी सीमा पर रह रहे अफगान शरणार्थियों के आतंकवादी कृत्यों में शामिल होने के हमें कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि इतनी अधिक संख्या में अफगान नागरिकों की मदद करने के लिए अमेरिका पाकिस्तान की सराहना करता है और ''हम आतंकवाद की चुनौतियों से निपटने के लिए पाकिस्तान के साथ काम करना जारी रखने वाले हैं। किर्बी ने कहा, ' मेरा मतलब है कि राष्ट्रपति ने स्पष्ट कर दिया है कि हम आतंकवाद विरोधी क्षमता में सुधार को गंभीरता से लेने और हम इसका प्रभावी ढंग से उपयोग करने वाले हैं। आसिफ ने कहा था कि इमरान खान के नेतृत्व वाली पिछली सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान काफी गंभीर गलतियां की थीं। उन्होंने कहा था, ''तीन लाख से अधिक लोगों को यहां लाया गया है, जबकि 500,000 अफगान प्रवासी पहले से मौजूद हैं।''पाकिस्तानी सेना के शीर्ष अधिकारियों ने तालिबान शासित अफगानिस्तान के परोक्ष संदर्भ में कहा कि 'पड़ोसी देश' में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों को पनाहगाह और नए-नए हथियार उपलब्ध कराना आतंकवादी हमलों में वृद्धि के कारणों में से एक हैं। उन्होंने पड़ोसी देश का नाम नहीं लिया।

सऊदी में एर्दोगन, कई समझौतों पर हस्ताक्षर

-बंद कमरे में प्रिंस के साथ एर्दोगन की बैठक

जेद्दा। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के सऊदी अरब पहुंचने पर दोनों देशों ने निवेश, रक्षा उद्योग, ऊर्जा और संचार से जुड़े कई समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। रिपोर्ट के अनुसार, जेद्दा शहर में एर्दोगन और सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल की बैठक के बाद समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। राष्ट्रपति एर्दोगन ने इसके पहले अल-सलाम रॉयल पैलेस में बंद दरवाजे के पीछे सऊदी क्राउन प्रिंस के साथ बैठक की। संबंधों को मजबूत करने के लिए तुर्की के नेता तीन दिवसीय खाड़ी दौरे के तहत सऊदी अरब पहुंचे। रिपोर्ट के अनुसार, विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद सहित कई उच्च पदस्थ सऊदी अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। दिन में इस्तांबुल छोड़ने से पहले, एर्दोगन ने कहा कि खाड़ी देशों की उनकी यात्रा का मुख्य एजेंडा निवेश और वित्तपोषण के बारे में है। राष्ट्रपति के साथ उनके मंत्रिमंडल के सदस्य और अधिकारी भी हैं। सऊदी अरब के बाद एर्दोगन कतर और संयुक्त अरब अमीरात का दौरा करेंगे।

हिंदुओं के खिलाफ जहर उगलने वाला ब्रिटेन का मौलाना अंजेम चौधरी गिरफ्तार

लंदन। ब्रिटेन की पुलिस ने हिन्दुओं के खिलाफ जहर उगलने वाले मौलाना अंजेम चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है। उस पर आतंकियों के साथ रिश्ते होने का आरोप हैं। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को लंदन पुलिस ने अलसुबह पूर्वी लंदन में अंजेम चौधरी के घर पर धावा बोला और उसे अरेस्ट कर लिया गया। इसके करीब 7 घंटे बाद ब्रिटेन के आतंकवाद निरोधक दस्ते ने लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट से कनाडा से आए एक और शख्स को अरेस्ट कर लिया है। इन दोनों पर ही प्रतिबंधित आतंकी संगठन के सदस्य होने का संदेह है। सूत्रों की मानें तो अंजेम चौधरी ब्रिटेन में खलीफा शासन लागू करना चाहता है। यही नहीं मौलवी अक्सर ब्रिटेन में रह रहे हिंदुओं के खिलाफ भी जहर उगलता रहता है। जानकारी के अनुसार ब्रिटेन की पुलिस ने पिछली रात पूर्वी लंदन में तीन जगहों की तलाशी ली है। पेशे से वकील अंजेम चौधरी कई वर्षों से ब्रिटेन का सबसे प्रभावी मुस्लिम चरमपंथी रहा है। अंजेम को आईएसएस के लिए समर्थन जुटाने पर साल 2016 में साढ़े 5 साल के लिए जेल में डाल दिया गया था। जेल से रिहा होने के बाद से अंजेम चौधरी जहरीले बयान देने लगा है। गौरतलब है कि उसने इस साल जनवरी महीने में अपनी आत्मकथा में ब्रिटेन के राजकुमार हैरी को अफगानिस्तान में तालिबान के 25 लड़ाकुओं को मार गिराने का बताया था। ब्रिटेन की पुलिस के प्रवक्ता ने कहा कि आतंकवाद निरोधक दस्ते ने दो लोगों को आतंकी अपराधों के संदेह में अरेस्ट किया है। इन पर प्रतिबंधित आतंकी संगठन के सदस्य होने का संदेह है। उन्हें जेल भेज दिया गया है। पुलिस अभी तलाशी अभियान चला रही है। दरअसल अंजेम चौधरी ब्रिटेन में रह रहे हिंदुओं और मुस्लिमों के बीच नफरत फैलाता रहता है। उस पर ब्रिटेन में मुस्लिम युवाओं की एक पूरी पीढ़ी को कट्टरपंथी बनाने का आरोप है। यही वजह है कि ब्रिटेन में उसके सार्वजनिक जगहों पर भाषण देने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। इसके अलावा अंजेम चौधरी को मोबाइल तथा इंटरनेट इस्तेमाल करने से भी रोक दिया गया था। हाल ही में उसके खिलाफ लगे प्रतिबंधों को खत्म कर दिया गया था। इन प्रतिबंधों के हटने के बाद एक बार फिर से अंजेम चौधरी आतंकी गतिविधियों में लिप्त हो गया था।

सरकारी अधिकारियों के आईफोन के इस्तेमाल पर रूस ने लगाया प्रतिबंध

मॉस्को। रुस ने अपने सरकारी अधिकारियों द्वारा आईफोन इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। जानकरी के अनुसार अमेरिका के निगरानी दावों को लेकर रूस ने सरकारी अधिकारियों द्वारा एप्पल आईफोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसएस) ने हजारों अधिकारियों को आईफोन और आईपैड्स जैसे अन्य एप्पल प्रोडक्ट्स का उपयोग बंद करने के लिए कहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 17 जुलाई से रूस के व्यापार मंत्रालय के कर्मचारियों को कार्यस्थल पर आईफोन का उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि मंत्रालयों में सुरक्षा अधिकारियों ने घोषणा की कि आईफोन को अब सुरक्षित नहीं माना जाता है और विकल्प तलाशे जाने चाहिए। अधिकारी मानते हैं कि अमेरिकी वायरटैपिंग के लिए अपने उपकरणों का उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि एफएसबी प्रोफेशनल कॉन्टैक्ट्स के लिए आईफ़ोन के इस्तेमाल के बारे में लंबे समय से चिंतित है। गौरतलब है कि मार्च में, क्रेमलिन ने अधिकारियों से एप्पल प्रोडक्ट्स का उपयोग बंद करने को कहा था, क्योंकि उन्हें डर है कि ये उपकरण अमेरिकी हैकिंग के प्रति संवेदनशील हैं। पिछले महीने, रूसी सरकार ने एप्पल पर अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के साथ काम करने का आरोप लगाया था, इस दावे का टेक जायंट ने जोरदार खंडन किया है। वहीं एप्पल ने कहा कि कंपनी ने निगरानी के लिए किसी भी एप्पल प्रोडक्ट्स को लेकर कभी भी किसी सरकार के साथ काम नहीं किया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि प्रमुख मंत्रालयों और संस्थानों में एप्पल प्रोडक्ट्स पर प्रतिबंध रूसी राज्य संस्थानों के खिलाफ अमेरिकी खुफिया एजेंसियों द्वारा जासूसी गतिविधि में वृद्धि पर क्रेमलिन और संघीय सुरक्षा सेवा जासूसी एजेंसी में बढ़ती चिंता को दर्शाता है।

पीएम मोदी की फ्रांस यात्रा के दौरान श्रीलंका के दौर पर चुपचाप पहुंची फ्रांसिसी नौसेना का जहाज

पेरिस। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस की यात्रा की। उनकी यात्रा को लेकर फ्रांस में काफी जोश नजर आया। लेकिन जिस वक्त पीएम मोदी पेरिस में राष्ट्रपति इमैनुएल मैंक्रो को गले लगा रहे थे, तभी फ्रांस की नौसेना का एक जहाज चुपचाप भारत के दक्षिणी पड़ोसी श्रीलंका का दौरा कर रहा था। पीएम मोदी की इस यात्रा का मकसद हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए भारत-फ्रांस के एक रणनीतिक रोडमैप तैयार करना था। रिपोर्ट के मुताबिक फ्रेंच जहाज, लोरेन ने पिछले सप्ताह कोलंबो का दौरा किया। इसी दौरान यहां से रवाना होने से पहले उसने एक पासिंग अभ्यास में भी हिस्?सा लिया। चीन जिस तरह से हिंद महासागर को लेकर आक्रामक हो रहा है, यह देखकर फ्रांस की नौसेना ने हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) सहित हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी तैनाती बढ़ा दी है।

रुस और क्रीमिया को जोड़ने वाले पुल का एक हिस्सा टूटा नजर आया।

मास्को समझौता पूरा नहीं होने के चलते रूस ने रद्द किया काला सागर अनाज सौदा

मॉस्को। मास्को समझौता पूरा नहीं होने के चलते काला सागर अनाज सौदा रद्द कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार रूस ने काला सागर अनाज निर्यात सौदे में अपनी भागीदारी समाप्त कर दी है। इस संबन्ध में क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने सोमवार को कहा कि मॉस्को से संबंधित समझौते का हिस्सा पूरा नहीं होने के कारण यह कदम उठाया गया है। मी?डिया में आई खबर के अनुसार काला सागर समझौते अब प्रभावी नहीं हैं। रूसी राष्ट्रपति ने पहले भी कहा था कि इसकी समय सीमा 17 जुलाई है। दुर्भाग्य से, काला सागर समझौते का वह हिस्सा जो रूस से संबंधित है, अभी तक पूरा नहीं हुआ है। परिणामस्वरूप, इसे समाप्त कर दिया गया है। हालांकि प्रवक्ता ने यह भी स्पष्ट किया कि सौदे की समाप्ति का केर्च पुल पर अनिर्दिष्ट आपातकालीन घटना से कोई लेना-देना नहीं है, जो रूस की मुख्य भूमि को कब्जे वाले क्रीमिया प्रायद्वीप से जोड़ता है। गौरतलब है कि क्रेच पुल की घटना में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। हालांकि पेस्कोव ने कहा कि अनाज सौदे में भागीदारी के निलंबन पर रूस की स्थिति आज क्रीमिया पुल पर आतंकवादी कार्रवाई से पहले घोषित की गई थी और यह हमला मॉस्को के फैसले को बिल्कुल भी प्रभावित नहीं करता है। उन्होंने कहा कि ये घटनाएं एक-दूसरे से बिल्कुल असंबद्ध हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस आतंकवादी हमले से पहले भी स्थिति साफ कर दी थी।

पुतिन ने दी क्लस्टर बम की धमकी, अगर यूक्रेन नहीं माना तो तबाही निश्चित

मॉस्को (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन को सीधी चुनौती दी है। रविवार को पुतिन ने कहा कि रूस के पास क्लस्टर बम का पर्याप्त भंडार है, अगर यूक्रेन ने विवादास्पद हथियार का इस्तेमाल किया तो वह भी जवाबी कार्रवाई करने में सक्षम है। गौरतलब है कि अमेरिका से यूक्रेन को क्लस्टर बम की आपूर्ति पर अपनी प्रतिक्रिया में, पुतिन ने रविवार को एक इंटरव्यू में कहा कि रूस ने यूक्रेन में अपने युद्ध में अब तक क्लस्टर बम का इस्तेमाल नहीं किया है। उन्होंने कहा कि अब तक, हमने ऐसा नहीं किया है, और हमें ऐसी कोई जरूरत भी नहीं पड़ी। हालांकि रूस और यूक्रेन, दोनों की तरफ से क्लस्टर बमों के इस्तेमाल का व्यापक रूप से जिक्र किया गया है तथा रूस के हमलों के बाद क्लस्टर बम पाए गए हैं। इस मामले में पेंटागन ने कहा कि अमेरिका की ओर से प्रदान किए गए क्लस्टर बम यूक्रेन में आ गए हैं। क्लस्टर बम को ऊंचाई से हवा में छोड़ा जाता है और इसके अंदर से हजारों की संख्या में छोटे बम निकलते हैं, जो निशाना बनाए गए स्थान पर भारी तबाही मचाते हैं।

गौरतलब है कि अतीत में क्लस्टर बम के इस्तेमाल में बड़ी संख्या में लोग मारे गए हैं। यही वजह है कि कई देश क्लस्टर बम के इस्तेमाल से परहेज करते हैं। पिछले हफ्ते अमेरिका के राष्ट्रपति

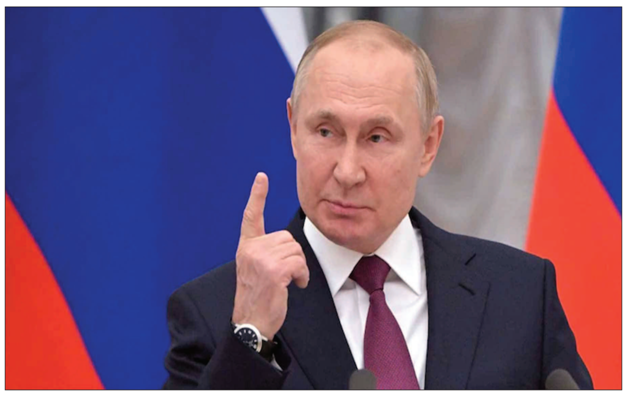

जो बाइडन की ओर से अंतिम निर्णय लेने से पहले, अमेरिकी नेताओं ने महीनों तक इस पेचीदे मुद्दे पर चर्चा की। यूक्रेन ने इन्हें घनी आबादी वाले इलाकों से दूर ही इस्तेमाल करने का वादा किया है। वहीं यूक्रेन की सेना ने रविवार सुबह कहा कि पिछले 24 घंटे में रूस ने 40 हवाई हमलों और रॉकेट लांचर से 46 हमलों के अलावा, ईरान निर्मित दो शाहेद ड्रोन से हमले किए, दो क्रूज मिसाइलें दागी और दो विमान भेदी मिसाइलें छोड़ीं। गवर्नर पावलो किरिलेंको ने कहा कि शनिवार को क्षेत्र के दो निवासियों की मौत हो गई, और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। यूक्रेनी अभियोजक जनरल के कार्यालय के अनुसार, देश में अन्य जगहों पर, रविवार को दक्षिणी क्षेत्र खेरसॉन में रूसी सेना की ओर से छोड़े गए एक विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से आठ और 10 साल की उम्र के दो लड़के घायल हो गए।

पाकिस्तान में 8 अगस्त को भंग होगी नेशनल एसेंबली, पीपी, पीएमएल-एन हुए सहमत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। संघीय सरकार में दो प्रमुख हितधारक पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) 8 अगस्त को नेशनल असेंबली को भंग करने पर सहमत हुए हैं। हालाँकि, सूचना मंत्री मरियम औरंगजेब ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर स्पष्ट किया कि संसद के निचले सदन को भंग करने की तारीख अभी तय नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि विघटन की तारीख पीडीएम और अन्य सहयोगी दलों के परामर्श से तय की जाएगी। नेशनल असेंबली के विघटन की तारीख पर निर्णय की आधिकारिक घोषणा की जाएगी।

मौजूदा नेशनल असेंबली का पांच साल का संवैधानिक कार्यकाल 12 अगस्त की आधी रात को समाप्त हो रहा है - उस तारीख के चार दिन बाद जिस दिन दोनों पार्टियां कथित तौर पर विधायिका को भंग करने पर सहमत हुई थीं। सूत्रों के मुताबिक, 9 और 10 अगस्त को भी चर्चा हुई, लेकिन

विधानसभा को जल्द भंग करने में किसी भी बाधा से बचने के लिए 8 अगस्त को करने का फैसला किया गया। कानून के अनुसार, यदि राष्ट्रपति सारांश को मंजूरी नहीं देते हैं, तो विधानसभा 48 घंटों के बाद भंग हो जाती है, जिससे सरकार को समय से पहले विघटन के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पर्याप्त समय मिल जाता है।

नेशनल असेंबली या प्रांतीय असेंबली के लिए आम चुनाव उस दिन के तुरंत बाद साठ दिनों की अवधि के भीतर आयोजित किया जाएगा जिस दिन विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने वाला है, जब तक कि विधानसभा को जल्द ही भंग नहीं किया गया हो।

टीवी एंकर के इश्क में पड़े चीनी विदेश मंत्री किन गांग

- दो माह से कही नजर नहीं आए

बीजिंग (एजेंसी)। चीनी विदेश मंत्री किन गांग 25 जून के बाद से कहीं नहीं नजर आए हैं। गांग को उस समय श्रीलंकाई विदेश मंत्री के साथ मुलाकात के दौरान देखा गया था। उसके बाद से ही उनका कुछ पता नहीं लग रहा है। किसी विदेश मंत्री का इतने दिनों तक गायब रहना काफी हैरान करने वाला वाक्य है। उनकी गुमशुदगी के साथ ही एक मशहूर टीवी एंकर के साथ उनके अफेयर के चर्चे भी तेजी से शुरू हो गए हैं। बताया जा रहा है कि 57 साल के किन इस समय 40 साल की न्यूज एंकर फू शियाओटिऑन के इश्क में गिरफ्तार हैं। किन गांग को चीन की वोल?फ वॉरियर डिप्लोमैसी के लिए जाना जाता है। यूके और अमेरिका में राजदूत रहे किन के लापता होने की खबरें अंतरराष्ट्रीय मीडिया में छाई हुई हैं। फू शियाओटिऑन को भी काफी दिनों से कही नहीं देखा गया है। चीन के विदेश मंत्रालय की तरफ से भी इस पर कोई टिप्?पणी नहीं की गई है। फू के साथ अफेयर की खबरों के बाद से ही उनकी फ्लर्टिंग स्टाइल वाली इंटरव्यू टेक्निक के बारे में जमकर बातें हो रही हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि जब फू ने हाई रैंकिंग चीनी अधिकारियों की तरफ ध्यान लगाया तब उन्होंने सुरक्षा विभाग के नियमों का उल्लंघन भी किया। जिस समय किन को स्टेट काउंसिलर की जिम्मेदारी संभाली थी तब फू ने अपने बेटे की एक फोटो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वीबो पर शेयर की थी। उन्होंने एक विजयी शुरुआत कैप्शन के साथ फोटो अपलोड की थी। इससे कुछ लोगों ने अनुमान लगाया कि वह विदेश मंत्री को बधाई दे रही थीं। गायब होने से पहले आखिरी सोशल मीडिया पोस्ट पर फू ने एयरक्राफ्ट की फोटो शेयर की थी। इसके साथ उन्होंने किन के साथ इंटरव्यू का एक स्क्रीन शॉट और अपने बेटे के साथ अपनी एक फोटो शेयर की थी। इन फोटोग्राफ्स ने चीनी अधिकारियों को परेशान कर दिया। शियाओटिऑन फीनिक्स टेलीविजन से जुड़ी हैं जिस पर चीन का मालिकाना हक है और इसका मुख्यालय हांगकांग और शेन्जेन में है। शियाओटियन को इटली की सरकार और कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी की तरफ से उन्हें अंतरराष्ट्रीय सेलिब्रिटी वाला दर्जा मिला हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक शियाओटियन पर ब्रिटिश इंटेलीजेंस डिपार्टमेंट से जुड़े होने का आरोप है। 10 मई 2019 को, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के चर्चिल कॉलेज में फू शियाओटियन के नाम पर एक गार्डन का नाम रखा गया है। फू यहां से ही पढ़ी हैं। कैम्ब्रिज जैसीप्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी किसी शख्स के नाम पर बगीचे का नाम तब तक नहीं रखेगी जब तक कि वह कोई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त न हो। बगीचे का नाम फू के नाम पर रखे जाने पर चीनी सरकार ने नाराजगी जताई थी।

भारत-श्रीलंका संयुक्त समिति ने नौका सेवाओं की बहाली के लिए वार्ता की

कोलंबो (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका के बीच द्विपक्षीय संपर्क मजबूत करने के मकसद से स्थापित एक संयुक्त आयोग ने क्षेत्रीय व्यापार एवं पर्यटन को बढ़ावा देने तथा लोगों के बीच संबंधों को और मजबूत करने के लिए दोनों देशों के बीच नौका सेवाएं बहाल करने पर ''सार्थक वार्ता'' की है। समुद्र के रास्ते यात्रियों के आवागमन संबंधी समझौता पत्र (एमओयू) के तहत स्थापित भारत-श्रीलंका संयुक्त समिति ने पिछले सप्ताह डिजिटल माध्यम से एक बैठक की। यहां भारतीय उच्चायोग ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा, ''सार्थक बातचीत में दोनों देशों के बीच पारस्परिक रूप से सहमत बिंदुओं को जोड़ने वाली नौका सेवाओं को बहाल करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।''

इसमें बताया गया कि दोनों पक्ष इस बात पर सहमत

हुए कि नौका सेवाओं की बहाली से क्षेत्रीय व्यापार एवं पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और लोगों से बीच आपसी संबंध मजबूत होंगे। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे इस सप्ताह के अंत में भारत की यात्रा करने वाले हैं। इस बैठक में भारत का नेतृत्व बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव राजेश कुमार सिन्हा और श्रीलंका का नेतृत्व श्रीलंकाई सरकार के बंदरगाह, जहाजरानी और विमानन मंत्रालय के सचिव के डी एस रुवनचंद्रा ने किया। बयान में बताया गया कि संयुक्त समिति ने निकट भविष्य में नौका सेवाओं के संचालन के मकसद से आपसी सहयोग के लिए कई क्षेत्रों की पहचान की और आपसी समझ के आधार पर आगे कदम उठाने की इच्छा जताई। भारत और श्रीलंका सरकार ने समुद्री मार्ग से यात्री परिवहन पर द्विपक्षीय समझौता ज्ञापन के प्रावधानों के अनुसार संयुक्त समिति का हाल में पुनर्गठन किया था। इस समझौता पत्र पर 2011 में हस्ताक्षर किए गए थे। नौका सेवाएं 80 के दशक में निलंबित कर दी गई थीं। दोनों देशों के बीच नौका सेवा अप्रैल में शुरू होनी थी, लेकिन भारत ने नौका सेवा के लिए चुने गए बंदरगाह को बदल दिया, जिसके कारण इसमें विलंब हो गया।

24 में खत्म करा दूंगा रूस-यूक्रेन युद्ध, ट्रंप ने व्हाइट हाउस लौटने को लेकर अभी से तैयार किया एक्शन प्लान

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस लौटने के 24 घंटे के भीतर यूक्रेन में शांति हासिल करने की अपनी रणनीति की रूपरेखा तैयार की है। फॉक्स न्यूज के साथ एक साक्षात्कार के दौरान, ट्रम्प ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अपने सकारात्मक संबंधों पर जोर दिया। जब उनसे यूक्रेन में संघर्ष को सुलझाने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मैं ज़ेलेंस्की को बहुत अच्छी तरह से जानता हूं और मैं पुतिन को भी और भी बेहतर तरह से जानता हूं। उन दोनों के साथ मेरे अच्छे संबंध थे, बहुत अच्छे।

ट्रंप ने कहा कि मैं ज़ेलेंस्की से कहूंगा, अब और नहीं। तुम्हें एक सौदा करना होगा। मैं पुतिन से कहूंगा, अगर आप कोई समझौता नहीं करेंगे तो हम उन्हें बहुत कुछ देंगे। यदि हमें देना पड़े तो हम (यूक्रेन को) उससे कहीं अधिक देने जा रहे हैं जितना उन्हें कभी मिला है। ट्रंप ने कहा कि मैं एक दिन में सौदा कर दूँगा।

उन्होंने सुझाव दिया कि वह ज़ेलेंस्की को बताएंगे कि उन्हें बातचीत करने की ज़रूरत है और पुतिन को चेतावनी देंगे कि यदि कोई समझौता नहीं हुआ, तो यूक्रेन को महत्वपूर्ण समर्थन मिलेगा। उन्होंने एक दिन के भीतर समझौता संपन्न होने का भरोसा जताया। ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति बिडेन की विश्व नेताओं के साथ जुड़ने की क्षमता की भी आलोचना की और मौजूदा स्थिति को अमेरिकी इतिहास में सबसे खतरनाक बताया।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत के हिंदू मंदिरों में उच्च सुरक्षा अलर्ट : पुलिस

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में इस सप्ताह डकैतों के गिरोह द्वारा एक हिंदू मंदिर पर रॉकेट से हमला करने के बाद अधिकारियों ने प्रांत के मंदिरों में उच्च सुरक्षा अलर्ट का आदेश दिया है और 400 पुलिस कर्मियों को तैनात किया है। हमलावरों ने रविवार को सिंध प्रांत के काशमोर इलाके में मंदिर और आसपास के हिंदुओं के घरों पर हमला किया। 'जियो न्यूज' पोर्टल की खबर के अनुसार, सिंध पुलिस प्रमुख गुलाम नबी मेमन ने पूरे प्रांत के मंदिरों की सुरक्षा के लिए हाई अलर्ट का आदेश दिया है। खबर में अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि मंदिरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न रेंज और जिलों में 400 पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। पुलिस कर्मी प्रशासनिक आधार पर सुरक्षा कर्तव्य निभाएंगे और मंदिरों में तैनात सभी कर्मियों को भी दो महीने के लिए सुरक्षा कर्तव्यों का काम सौंपा गया है।

सिंध के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) गुलाम नबी मेमन ने हिंदुओं से मंदिरों में सुरक्षा कर्तव्यों के लिए तैनात कर्मियों के साथ हर संभव सहयोग सुनिश्चित करने का अनुरोध करते हुए कहा कि प्रांत में रहने वाले अल्पसंख्यकों और अन्य समुदायों की रक्षा करना पुलिस की जिम्मेदारी है। काशमोर-कंधकोट पुलिस ने मंदिर पर हमले को लेकर सोमवार को अज्ञात हमलावरों के खिलाफ आतंकवाद रोधी अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। अज्ञात हमलावरों के खिलाफ एक मामला गौसपुर थाने में दर्ज किया गया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि तलाश अभियान शुरू कर दिया गया है और दोषियों को पकड़ लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि गौसपुर शहर में एक सदी पुराना मंदिर है, जिसकी सुरक्षा पुलिस ने सुनिश्चित की है। सिंध के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री ज्ञानचंद एस्सरानी ने प्रांत के डकैतों से आग्रह किया है कि वे अपने हिंदू समुदाय को नुकसान न पहुंचाएं जो पिछली कई शताब्दियों से इस क्षेत्र में शांतिपूर्वक रह रहे हैं।

मंत्री ने सोमवार को प्रांतीय विधानसभा के पटल पर एक प्रश्न का उत्तर देते समय यह अपील की। मुत्तहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) के विधायक मंगला शर्मा ने कहा कि नदी क्षेत्रों में भारी हथियारों से लैस डाकुओं ने सिंध में एक मंदिर पर हमला करने के लिए रॉकेट लॉन्चर का इस्तेमाल किया। शर्मा ने कहा कि घटना के बाद समुदाय डर के साये में जी रहा है। दूसरी ओर, एस्सरानी ने सदन को बताया कि डकैतों ने प्रांत के मंदिरों पर हमला करने की भी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में हिंदू समुदाय ने कुछ भी गलत नहीं किया है, इसलिए उनके पूजा स्थलों को नुकसान नहीं पहुंचाया जाना चाहिए।

यू सी सी : निगाहें कहीं हैं,निशाना कहीं

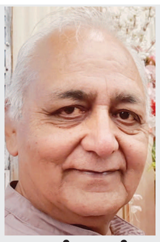

तनवीर जाफरी

इस तरह के अनेकानेक रूढ़ियाँ व परम्परायें अनेकता में एकता रखने वाले इस भारत महान देश में विभिन्न धर्मों,समुदायों व जातियों में अनेक क्षेत्रों में देखी जा सकती हैं। ऐसे में यू सी सी की चर्चा महज एक समुदाय विशेष को विद्वेलित करने का प्रयास है या इसके पीछे सरकार की मंशा कुछ और है इस बात का सही अंदाजा तभी लग सकेगा जब इसका ड्राफ़्ट सार्वजनिक होगा। इसके पहले किसी भी समुदाय का आशंकित या विद्वेलित होना हरगिज मुनासिब नहीं। संभव है कि इसी मुद्दे के बहाने राजनीति के धुरंधर खिलाड़ियों की निगाहें कहीं हों और निशाना कहीं और? और वे केवल यह बहस छेड़ कर ही समुदाय विशेष के लोगों में उत्तेजना फैलाने मात्र से ही अपना वोट बैंक फतेह करना चाह रहे हों?

इन दिनों देश में यू सी सी अर्थात यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर बहस जारी है। यह बहस ऐसे समय में छिड़ी है जबकि लगभग 9 महीने बाद देश में आम लोकसभा चुनाव की घोषणा की जानी है। यू सी सी भारतीय जनता पार्टी के उन्हीं तीन प्रमुख चुनावी वादों में से एक है जिन्हें भाजपा ने एक दूरगामी रणनीति के तहत अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में 1996 में पहली बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार बनते समय ठंडे बस्ते में डाल दिया था। और न्यूनतम सांझा कार्यक्रम के आधार पर एक गैर कांग्रेसी राजग सरकार का गठन किया था। परन्तु 2019 के लोकसभा चुनावों में जैसे ही भारतीय जनता पार्टी अपने पूर्ण बहुमत पर पहुंची और 303 सीटों पर जीत हासिल की तथा भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 353 सीटें जीतीं वैसे ही भाजपा अपने उन मूल मुद्दों को पूरा करने में जुट गयी। इनमें पहला अयोध्या मंदिर निर्माण मुद्दा तो अदालती फैसले के आधार पर निर्णायक नतीजे पर पहुँच गया जबकि 5 अगस्त 2019 को कश्मीर से धारा 370 हटाकर भाजपा ने अपना दूसरा मूल मुद्दा भी हल कर लिया। और अब जबकि विभिन्न राज्यों व केंद्र के चुनाव निकट भविष्य में होने वाले हैं भाजपा ने अपने तीसरे यानी समान नागरिक संहिता के मुद्दे को हवा देनी शुरू कर दी है। वैसे भी समान नागरिक संहिता केंद्र की मौजूदा सत्ताधारी भाजपा के लिए जनसंघ के समय से ही प्राथमिकता वाला एजेंडा रहा है। और भाजपा सत्ता में आने पर वउउ को लागू करने का वादा करने वाली पहली पार्टी थी और यह मुद्दा उसके 2019 के लोकसभा चुनाव घोषणा पत्र का प्रमुख हिस्सा भी था।

अब यहां पहला प्रश्न यह है कि जिस समान नागरिक संहिता यानी कॉमन सिविल कोड की बात भाजपा दशकों से करती आ रही है उसमें और जिस समान नागरिक संहिता यानी यूनिफॉर्म सिविल कोड(यू सी सी) की चर्चा इनदिनों छिड़ी है इनमें अंतर क्या है? मोटे तौर पर समान नागरिक संहिता यानी कॉमन सिविल कोड का आशय पूरे देश के सभी नागरिकों के लिये एक जैसा कानून लागू करना है । यानी समान नागरिक संहिता का अर्थ होता है भारत में रहने वाले प्रत्येक नागरिक के लिए एक समान कानून होना। चाहे वह किसी भी धर्म,वर्ग,समुदाय या जाति का क्यों न हो। समान नागरिक संहिता लागू होने से सभी धर्मों का एक कानून होगा। शादी, तलाक, गोद लेने और जमीन-जायदाद के बंटवारे में सभी धर्मों के लिए एक ही कानून लागू होगा। जबकि समान नागरिक संहिता अर्थात यूनिफॉर्म सिविल कोड का अर्थ देश में रहने वाले किसी भी वर्ग व समुदाय विशेष के लोगों के लिये उनके वर्ग समुदाय के अनुसार एक जैसे कानून लागू करना। कहा जा रहा है कि यूसीसी का तात्पर्य देश के सभी नागरिकों के लिए एक समान कानून होना है जो धर्म पर आधारित नहीं है। परन्तु इसकी वास्तविक व विस्तृत परिभाषा क्या होगी यह तभी पता चल सकेगा जब इसका पूरा ड्राफ़्ट सामने आयेगा। गोया बावजूद इसके कि इसका ड्राफ़्ट अभी तक तैयार होने की कोई सूचना नहीं है फिर भी उम्मीद है कि इसमें वर्ग के अनुसार एक वर्ग एक समुदाय या एक सम्प्रदाय के लिये अलग अलग कानून होने की संभावना है। इसलिये यूनिफॉर्म सिविल कोड विषय को लेकर छिड़ी इस बहस में शोर और विवाद तो बहुत हैं परन्तु सी सी सी या यू सी सी के अंतर को लेकर अभी भी अनेक भ्रांतियां भी बनी हुई हैं।

राष्ट्रीय विधि आयोग ने देश की संस्थाओं व आम नागरिकों से गत 14 जून को इस विषय पर सुझाव मांगे थे। पिछले दिनों आयोग की ओर से मांगे गए सुझाव की समय-सीमा बढ़ा दी गई है। अब 28 जुलाई तक समान नागरिक संहिता को लेकर भारतीय नागरिक अपने सुझाव आयोग की वेबसाइट पर दे सकेंगे। विधि आयोग की विज्ञप्ति के अनुसार समान नागरिक संहिता विषय पर जनता की जबरदस्त प्रतिक्रिया प्राप्त होने के बाद इस तिथि को बढ़ा दिया गया है। इसके लिए समय बढ़ाने को लेकर भी विभिन्न क्षेत्रों से अनुरोध मिल रहे थे। ऐसे में आयोग ने संबंधित हितधारकों से विचार और सुझाव प्राप्त करने के लिए समय सीमा को दो सप्ताह और बढ़ाने का निर्णय लिया है। परन्तु विधि आयोग द्वारा ऑनलाइन मांगे जा रहे इन सुझावों में एक पेंच यह भी है कि देश की आधी से अधिक आबादी को शायद अभी तक यह भी पता नहीं होगा कि यू सी सी है क्या और देश में इस समय यू सी सी नामक किसी विषय को लेकर कोई बहस छिड़ी हुई है। और जिन्हें मालूम भी है वे अपनी रोजी रोटी कमाने में इतना व्यस्त हैं कि उन्हें इस बहस में पड़ने या सुझाव देने की फुर्सत ही नहीं। हाँ एक विशेष पूर्वाग्रही वर्ग ऐसा जरूर है जो वाट्स ऐप और दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दिन रात सक्रिय है और वह बाकायदा वीडिओ बनाकर लोगों को यह बता रहा है कि किस तरह विधि आयोग की वेबसाइट पर जाकर यह लिखा जाये कि वे यू सी सी का समर्थन करते हैं।

प्रचारित तो यह किया जा रहा है कि यू सी सी मुस्लिम विरोध में लाया जा रहा है। मुस्लिम समुदाय के लोगों में इसे लेकर बेचैनी भी दिखाई दे रही है। परन्तु यह प्रचार भी निराधार है। नगालैंड, मेघालय, पंजाब व तमिलनाडु के लोगों ने और झारखण्ड व मध्य प्रदेश के दर्जनों आदिवासी संगठनों ने विधि आयोग के सामने यूनिफॉर्म सिविल कोड के विचार को वापस लेने की मांग की है। इन आदिवासी संगठनों का मानना है कि यूसीसी के कारण आदिवासियों की पहचान खतरे में पड़ जाएगी। हमारे देश में ही हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड में भी कई आदिवासी समाजों में व दक्षिण भारत तथा उत्तर पूर्व की कई जनजातियों में बहुपतित्व प्रथा अभी भी जारी है। हिमाचल के किन्नौर के लोगों का मानना है कि यह प्रथा महाभारत के समय से चली आ रही है। इसके एक ही परिवार के सभी भाइयों द्वारा एक ही महिला से विवाह किया जाता है। इसके पीछे कारण यह बताया जाता है कि वनवास के दौरान जब पांडवों का अज्ञातवास था, तब पांडव द्रौपदी के साथ यहां छिपे हुए थे। इसके पीछे की वजह परस्पर पारिवारिक प्रेम और संपत्ति के बंटवारे से सुरक्षा भी है। इसी तरह मेघालय राज्य में शिलॉन्ग के निकट एशिया के सबसे स्वच्छ गांव के नाम से मशहूर मावलिननांग व उसके आस पास के गांव में प्रचलित प्रथा के अनुसार यहाँ परिवार की मुखिया महिला होती है। और संपत्ति भी परिवार की सबसे छोटी बेटी के नाम की जाती है।

इस तरह के अनेकानेक रूढ़ियाँ व परम्परायें अनेकता में एकता रखने वाले इस भारत महान देश में विभिन्न धर्मों,समुदायों व जातियों में अनेक क्षेत्रों में देखी जा सकती हैं। ऐसे में यू सी सी की चर्चा महज एक समुदाय विशेष को विद्वेलित करने का प्रयास है या इसके पीछे सरकार की मंशा कुछ और है इस बात का सही अंदाजा तभी लग सकेगा जब इसका ड्राफ़्ट सार्वजनिक होगा। इसके पहले किसी भी समुदाय का आशंकित या विद्वेलित होना हरगिज मुनासिब नहीं। संभव है कि इसी मुद्दे के बहाने राजनीति के धुरंधर खिलाड़ियों की निगाहें कहीं हों और निशाना कहीं और? और वे केवल यह बहस छेड़ कर ही समुदाय विशेष के लोगों में उत्तेजना फैलाने मात्र से ही अपना वोट बैंक फतेह करना चाह रहे हों?

संपादकीय

गुणवत्ता की दवा

देश में दवाओं की गुणवत्ता के मानक निर्धारण और उनके नकारात्मक प्रभावों पर कारगर नियंत्रण करने की मांग बहुत पुरानी है। जिस देश में एक बड़ी आबादी झोला छाप डॉक्टरों व मेडिकल स्टोर से दवा लेकर इलाज करती हो, वहां दवाओं का मानकीकरण बेहद जरूरी हो जाता है। हाल के दिनों में अफ्रीका और मध्य एशिया के देशों में कफ सीरप से होने वाली कथित मौतों के बाद दवाओं के मानकीकरण की बहस तेज हुई। विश्व स्वास्थ्य संगठन की टिप्पणियों से भी भारतीय दवा उद्योग की विश्वसनीयता पर आंच आई। निस्संदेह इस प्रकरण से भारत की प्रतिष्ठा भी प्रभावित हुई है। लगता है इसके बाद केंद्र सरकार भी हरकत में आई और सुरक्षित दवाओं का उत्पादन सुनिश्चित करने के लिये पहल हुई। बहुत संभव है इसी घटनाक्रम के बाद उच्च मानकों वाली सुरक्षित औषधियों का उत्पादन सुनिश्चित करने की दिशा में कदम बढ़ाया गया हो। संसद के मानसून सत्र में सुरक्षित दवाओं का उत्पादन सुनिश्चित करने वाला एक विधेयक लाना प्रस्तावित है। जिसके जरिये सुनिश्चित किया जा सकेगा कि घटिया दवाओं द्वारा देश -विदेश पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों पर अंकुश लगे। निस्संदेह, इसके मूल में भारत तथा दुनिया के कई देशों में लोगों पर पड़े नकारात्मक प्रभावों के सबक हैं। इसी मकसद से ड्रग्स, मेडिकल डिवाइस और कॉस्मेटिक्स बिल, 2023 लाया जा रहा है। निस्संदेह, इस विधेयक को कानून का रूप देने से पहले इसके विभिन्न पहलुओं पर गंभीरता से मंथन करने की जरूरत होगी। जिससे इस उद्योग से जुड़ी खामियों को दूर किया जा सके। निस्संदेह,देश में भरोसेमंद फार्मास्युटिकल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की जरूरत है। जिसके लिये गुणवत्ता का शोध और नियमन भी जरूरी है। यह विधेयक दवाओं, चिकित्सा उपकरणों और सौंदर्य प्रसाधनों के निर्माण, बिक्री, आयात व निर्यात के उच्च मानकों को सुनिश्चित करेगा। जो औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम-1940 को निरस्त करेगा और नई जरूरतों के हिसाब से कानून को उपयोगी बनाएगा। दरअसल, दवाओं की गुणवत्ता के निर्धारण के मार्ग में जहां दवा उद्योग की लॉबी और राजनीतिक घालमेल की बाधाएं हैं, वहीं हमारे नियामक तंत्र में व्याप्त विसंगतियां भी इसके मूल में हैं। ऐसे में कानून बनाते वक्त कई तरह की सावधानियां बरतने की जरूरत होगी। यह भी देखना होगा कि नये कानून से राज्यों के फार्मास्युटिकल उद्योग पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े।

एक चेहरे पर कई चेहरे लगा लेते हैं लोग, 38 बनाम 26 दलों का गठबंधन

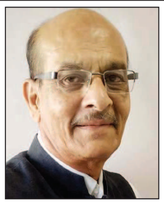

सनत जैन

गठबंधन को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में जबरदस्त जुबानी युद्ध शुरू हो गया है 18 जुलाई बड़ी महत्वपूर्ण तारीख है। विपक्ष के 26 दल कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में बैठक कर रहे हैं। विपक्षी दलों की एकता को लेकर यह गठबंधन 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए बड़ा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वहीं सत्तापक्ष भी नई दिल्ली में 38 राजनीतिक दलों के गठबंधन के साथ लोकसभा के चुनाव की तैयारियों में एकजुट हो रहा है। सत्ता पक्ष और विपक्षी दलों द्वारा जो राजनीतिक दलों का गठबंधन तैयार किया जा रहा है। उसको लेकर एक दूसरे के ऊपर बड़े आरोप-प्रत्यारोप किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कहा कि दो चीजों की गारंटी विपक्षी दलों की है। जातिवाद का जहर, भ्रष्टाचार, भारत की बदहाली के लिए जो राजनैतिक दल जिम्मेदार हैं, वह सब एकत्रित हो रहे हैं। 26 दलों की दुकानों का माल अलग है, लेबिल अलग है, बेच कुछ रहे हैं, बता कुछ रहे हैं। भ्रष्टाचार के आरोप में जब एजेंसियां कार्रवाई करती हैं, तो विपक्षी दल उसे साजिश बताते हैं। भ्रष्टाचार की दुकान चलाने वाले लोकतंत्र और संविधान को बंधक बनाकर रखना चाहते हैं। 26 चेहरे लगाकर बैठे हुए यह नेता कहते कुछ हैं और करते कुछ और हैं। इनके गठबंधन में असीमित भ्रष्टाचार की गारंटी है। भाई-भतीजावाद और वंशवाद की गारंटी है। उन्होंने कहा कट्टरपंथी और भ्रष्टाचारी नेता मिलकर बेंगलुरु में बैठक कर रहे हैं। विपक्षी एकता की बात कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, ना खाता ना बही, विपक्षी जो कहे वह सही की तर्ज पर सत्ता पक्ष में हमला कर रहे हैं। 26 दलों के विपक्षी गठबंधन को भानुमती का पिटारा भी सत्ता पक्ष द्वारा कहा जा रहा है।

वहीं विपक्षी गठबंधन में शामिल राजनीतिक दल सरकार के ऊपर करारा हमला कर रहे हैं। वह संविधान और लोकतंत्र को खतरे में बता रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एकाधिकार और तानाशाही के विरोध में एकजुट हो रहे हैं। विपक्षी दल इसे अघोषित आपातकाल के रूप में विपक्षियों को खत्म करने की साजिश बताकर एकजुट हो रहे हैं। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर विपक्षी दल भाजपा को वाशिंग मशीन बताते हुए कह रहे हैं, पहले खुद आरोप लगाते हैं। सीबीआई, ईडी से दबाव बनाते हैं। जब आरोपी भाजपा में शामिल हो जाता है, तो उस पर लगाए गए सारे आरोप खत्म हो जाते हैं। विपक्षी दल संवैधानिक संस्थाओं को धीरे-धीरे खत्म करने का आरोप सत्ता पक्ष पर लगा रहे हैं। 26 दलों को भानमती का पिटारा कहा जा रहा है। लेकिन सत्तापक्ष ने भी 38 राजनीतिक दलों का गठबंधन तैयार कर लिया है। विपक्षी गठबंधन को चुनौती देने का रास्ता सत्ता पक्ष ने अख्तियार किया है। निश्चित रूप से 2024 के लोकसभा चुनाव को देखते हुए सत्ता पक्ष विपक्षी एकता के गठबंधन से हैरान और परेशान है। सत्ता पक्ष इसे बड़ी चुनौती के रूप में देख रहा है। जैसे ही विपक्षी एकता गठबंधन परवान चढ़ा, उसकी प्रतिक्रिया सत्ता पक्ष में बड़े पैमाने पर देखने को मिल रही है। इतना तो तय है कि कहीं ना कहीं विपक्षी एकता से सत्ता पक्ष के ऊपर दबाव बना है। दोनों ही गठबंधन एक दूसरे के ऊपर आरोप लगा रहे हैं। जनता चुपचाप दोनों का तमाशा देख रही है। सत्ता पक्ष से लड़ने के लिए हमेशा से विपक्षी राजनीतिक दल गठबंधन बनाकर सत्ता पक्ष का मुकाबला करते रहे हैं। 1967, 1977, 1989, 1991, 1996, 2004 से 2014 तक गठबंधन की सरकारें राज्य और केंद्र की सत्ता में रही हैं। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है कि विपक्षी एकता का नेतृत्व एवं सहभागिता हमेशा से जनसंघ या भाजपा के नेता कांग्रेस के खिलाफ करते रहे हैं। 2014 से केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार दसवें साल में प्रवेश कर चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा को इन 10 वर्षों का सत्ता में रहने का हिसाब-किताब जनता को देना है। 2014 के बाद से ही विपक्ष लगातार बंटा हुआ था। इसका फायदा भाजपा और सत्तापक्ष को मिला। पहली बार मोदी सरकार को विपक्षी दलों के एकजुट होने से कड़ी चुनौती मिल रही है। ऐसी स्थिति में विपक्षी दलों के गठबंधन को तोड़ना निश्चित रूप से सत्ता पक्ष प्रथम प्राथमिकता बन गई है। गठबंधन से ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि जनता पिछले 10 वर्षों के कामकाज को देखते हुए 2024 के लोकसभा चुनाव में मतदान करेगी। विपक्षी गठबंधन के 26 दल हों या सत्ता पक्ष के 38 दल हों, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक मंदी और 2014 में किए गए वायदों के आधार पर मतदाता को निर्णय करना है, कि उसे किसको वोट देना है। चुनाव के पहले जो रणभेरी बजती है, वह दोनों गठबंधन के बीच में बज रही है। लेकिन सही मायने में जब परिणाम सामने आएंगे, तभी इस गठबंधन के कोई मायने सामने आएंगे।

चिंतन-मनन

सुख की उपेक्षा क्यों?

मेरे पास लोग आते हैं। जब वे अपने दुख की कथा रोने लगते हैं, तो बड़े प्रसन्न मालूम होते हैं। उनकी आंखों में चमक मालूम होती है। जैसे कोई बड़ा गीत गा रहे हों! अपने घाव खोलते हैं, लेकिन लगता है जैसे कमल के फूल ले आए हैं। सुख की तो कोई बात ही नहीं करता। और ऐसा नहीं है कि सुख नहीं है; हम सुख पर पर ध्यान नहीं देते हैं। हम दुःख-दुख चुन लेते हैं; हम सुख की उपेक्षा कर देते हैं। फिर जिसकी उपेक्षा कर देते हैं, स्वभावतः धीरे-धीरे वह दूर चला जाता है और जिसमें हम रस लेते हैं वह पास होता चला जाता है। संतों की बात तुम्हें तभी जमेगी, रुचेगी, भली लगेगी, प्रीतिकर मालूम होगी-जब तुम दुख को पकड़ना छोड़ दोगे; जब तुम जागोगे और सुख की सचेष्ट खोज शुरू करोगे। तुम्हारे भीतर अगर अभी भी दुख को पकड़ने का आयोजन चल रहा है, तो संतों के वचन तुम्हारे कानों में गूजेंगे और खो जाएंगे। तुम्हारे हृदय तक नहीं पहुंचेंगे। क्योंकि संतों के वचनों में बड़ा सुख भरा है। तुम सुखोन्मुख हो जाओ, तुम आनंद की खोज में लग जाओ; तो ये एक-एक शब्द ऐसे जाएंगे तुम्हारे भीतर जैसे तीर चले जाएं। और ये एक-एक शब्द तुम्हारे भीतर ऐसे-ऐसे हजार-हजार फूल खिला देंगे, जैसे कभी न खिले थे। तुम्हारे भीतर बड़ी रोशनी होगी। ये छोटे-छोटे शब्द हैं। मगर ये बड़े सार्थक शब्द हैं। सुनो- ह्यबोलू हरिनाम तू छोड़ि दे काम सब, सहज में मुक्ति होई जाय तेरी।काम यानी कामना। काम यानी वासना। काम यानी इच्छा, तृष्णा। यह मिले वह मिले-कुछ मिले! जब तक हम मिलने की दौड़ में होते हैं, हम भिखमंगे होते हैं। और जब तक हम भिखमंगे होते हैं, तब तक परमात्मा नहीं मिलता। परमात्मा भिखमंगों को मिलता ही नहीं। परमात्मा सम्राटों को मिलता है। परमात्मा उनको मिलता है जो अपने मालिक है। परमात्मा उनको मिलता है जो कुछ मांगते ही नहीं। असल में वे ही परमात्मा को मांगने में कुछ सफल हो पाते हैं, जो और कुछ नहीं मांगते। जिन्होंने कुछ और मांगा, वे परमात्मा को कैसे मांगेंगे। वह जबान फिर परमात्मा को मांगने के योग्य न रह गई। वह जबान अपवित्र हो गई। जिस जबान से बेटा मांगा, बेटी मांगी, धन मांगा, पद मांगा, प्रतिष्ठा मांगी-उसी जबान से परमात्मा को मांगोगे? इस जहर भरे पात्र में अमृत रखोगे? यह जबान जब तक मांगती है तब तक संसार है। जिस दिन यह जबान मांगती नहीं, उस दिन परमात्मा की यात्रा शुरू हुई। उस दिन बिन मांगे मिलता है। ऐसे तो मांगे-मांगे भी नहीं मिलता।

भारतीय वेद और विश्व शांति की प्रार्थना

भारत अव्याख्येय है। राष्ट्र रूप में भारत की व्याख्या कठिन है। यह सामान्य राष्ट्र राज्य नहीं है। भूमि का साधारण खण्ड नहीं है। सामान्य इतिहास या भूगोल नहीं है। इस धरती के लोग सदियों से व्यक्तिगत हित की तुलना में विश्व लोकमंगल की आराधना में संलग्न रहे हैं। भारत की अनुभूति संसार में अद्वितीय है। यह एक प्रेमपूर्ण गीत है। हम सब के अंतस का छंदस है भारत। भारत और भारतीय संस्कृति विश्व के विद्वानों के लिए शोध का विषय रहे हैं। ऋग्वेद में एक सुंदर मंत्र में भारत बोध की झांकी है, 'हे सोम देव जहां सदा नीरा नदियां बहती हैं। प्रचुर अन्न होता है। कृषि धन धान्य देती है। जहां मुद, मोद, प्रमोद विस्तृत हैं। हम उसी भूखंड में आनंदित रहना चाहते हैं।'

संविधान की उद्देशिका 'हम भारत के लोग' वाक्य से प्रारम्भ होती है। उद्देशिका के 4 शब्द महत्वपूर्ण है। हम भारत के लोगों की राष्ट्रीय संरचना का आधार जाति, पंथ, मत, मजहब नहीं है। ऐसा होता तो संविधान निमार्ता उद्देशिका में दर्ज करते कि, 'हम भारत के अगड़े, पिछड़े जाति और पंथ से जुड़े लोग संविधान बनाते हैं।' वैदिक काल की सबसे छोटी, सुसंगठित और प्रीतिपूर्ण इकाई परिवार है। गण कई परिवारों से मिलकर बने समूह हैं। गण महत्वपूर्ण है। सभी गणों में परस्पर सम्बंध थे। राष्ट्रगान में जन के साथ गण हैं। गण नाम के इस छोटे से समूह नेता गणपति कहा जाता था। जैसे गण का नेता गणपति होता था वैसे ही गण का आराध्य देवता गणेश। गणेश गण और ईश से मिलकर बना शब्द है। बृहस्पति के लिए ऋग्वेद में स्तुति है झ गणानां त्वा गणपतिं झ आप विद्वान हैं। गणपति हैं। गण परस्पर प्रीति और प्यार में साधनारत एक सामूहिक इकाई थी।

वैदिक इतिहास में अनेक गण हैं। देवताओं के समूह भी गण हैं। जैसे मरुदगण, रूद्रगण आदि। सांस्कृतिक व आर्थिक कारणों से गण टूट कर जन नाम की बड़ी इकाई में बदल गए। तब अनेक जन थे। लेकिन पांच जनों की चर्चा ज्यादा है। ये पंचजन अनु, द्रुह्यु , यदु, तुर्वश और पुरु थे। सरस्वती वैदिक काल की प्रसिद्ध नदी हैं। उनसे स्तुति है कि आप पांच जनों को समृद्धि देती हैं। जन गण से बड़े जनसमूह थे। इनका उल्लेख वैदिक साहित्य में विद्यमान है। भारतीय संस्कृति उदात्त और विश्ववरेण्य है। इस संस्कृति के प्रति दुनिया के तमाम देशों का आदर भाव रहा है और आज भी है। वैदिक ऋषियों का संकल्प ध्यान देने योग्य है। कहते हैं, 'कृण्वंतों विश्वं आर्यं - हम विश्व को आर्य बनाना चाहते हैं। हम किसी भी राष्ट्र राज्य पर आक्रमण के इच्छुक नहीं हैं।' भरतीय इतिहास में किसी दूसरे देश को जीतने की इच्छा नहीं मिलती।

हाल ही में विश्व मुस्लिम लीग के प्रमुख मोहम्मद बिन अब्दुल करीम अल ईसा भारत आए थे। इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में अल ईसा ने भारत के ज्ञान और संविधान की प्रशंसा की है। विश्व मुस्लिम लीग दुनिया के सबसे बड़े मुस्लिम संगठनों में गिना जाता है। इसके प्रमुख अल ईसा ने भारत को शांतिपूर्ण सहअस्तित्व का सुंदर उदाहरण बताया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अल ईसा से भारत और सऊदी अरब के बीच साझेदारी को गहरा करने पर विचारों के आदान प्रदान की बातें कीं। उन्होंने अल ईसा के साथ हुई बैठक का जिक्र करते हुए कहा कि हमने अंतरधार्मिक वार्ता को आगे बढ़ाने, चरमपंथी विचारधाराओं का मुकाबला करने व वैश्विक शांति को बढ़ावा देने पर बातचीत की।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति की चर्चा होती है। होनी भी चाहिए। तमाम कारणों से विश्व तनाव में है। इसका एक कारण मजहबी कट्टरपंथ भी है। पंथिक मजहबी समूहों का सहअस्तित्व बड़ा कठिन होता है। गांधी जी स्वाधीनता के पहले से ही हिन्दू-मुस्लिम भाईचारा स्थापित करने के लिए सक्रिय थे। बहुसंख्यक समाज के सामने सहअस्तित्व को लेकर कोई कठिनाई नहीं थी। लेकिन कट्टरपंथी मजहबी तत्वों को सहअस्तित्व की यह धारणा अच्छी नहीं लगी। गांधी जी ने स्वीकार किया कि हिन्दू-मुस्लिम एकता व सहअस्तित्व के प्रश्न पर उन्होंने हार मान ली है। अल ईसा ने सारी दुनिया से अपील की कि शांति के सम्बंध में भारत से सीखना चाहिए। उनका वक्तव्य आदर योग्य है। भारतीय ज्ञान ने दुनिया को प्रभावित किया है। विश्व शांति और लोकमंगल भारतीय राष्ट्र राज्य के ध्येय रहे हैं।

भारतीय समाज में गजब की विविधता है। अनेक जातियां हैं। अनेक विश्वास हैं। विविधता स्वाभाविक है। लेकिन तमाम विविधताओं के बावजूद भारत में सभी विचारधाराओं और विश्वासों का सहअस्तित्व रहा है। सभी विचारधाराओं के बीच संवाद रहा है। आज भी है। भारतीय समाज के चिंतकों, विद्वानों और वैदिक काल के ऋषियों ने शांति की उपासना की है। ऋग्वेद में विश्व शांति की प्रार्थना है और यह भारतवासियों की शांति की प्यास को सुंदर अभिव्यक्ति देती है। शांति मंत्र में कहते हैं, 'अंतरिक्ष शांत हों। पृथ्वी शांत हों। आकाश शांत हों। शांति भी शांत हों।' यहां केवल मनुष्यों के बीच परस्पर सद्भाव वाली शांति की ही बात नहीं है। यहां पृथ्वी से लेकर आकाश तक शांति स्थापित होने की प्रार्थना है। शांति अशांति की अनुपस्थिति नहीं है। शांति मौलिक रूप में मानव मन की प्राकृतिक प्यास है।

अशांत चित्त से सृजन संभव नहीं होते। अशांत चित्त विध्वंसक होता है और शांत चित्त सर्जक। अल ईसा ने संवाद शांति और भाईचारा के लिए भारत की प्रशंसा उचित ही की है। जन गण का सामूहिक मन स्वाभाविक होता है। वह सामूहिक होकर ही समाज को आनंद देता है। मन चंचल होता है। मन की गलती को मनमानी कहते हैं। वैदिक पूर्वज मन की चंचलता को लेकर सजग थे। यजुर्वेद में मन को प्रशांत और लोक कल्याण से जोड़ने सम्बंधी 6 मंत्र एक साथ आए हैं। इसे शिव संकल्प सूक्त कहते हैं। ऋषि कहते हैं, 'हमारा मन कभी पर्वत की ओर कभी आकाश की ओर जाता है। कभी इस नगर में कभी उस नगर में जाता है। हे देवताओं उस मन को शिव संकल्प से भर दो।' शिव संकल्प वस्तुतः मन को लोक कल्याण की भावना से भरने का नाम है।

सम्प्रति दुनिया के तमाम देशों की सीमाएं रक्तरंजित हैं। यूक्रेन और रूस के मध्य जारी युद्ध से धरती-आकाश तनावग्रस्त हैं। आतंकवादी मजहब के नाम पर लोगों को मार रहे हैं। बच्चे और महिलाएं भी मारी जा रही हैं। कहते हैं, 'हमारा बेचैन मन कभी यहां कभी वहां हमको विषाद की दशा में ले जाता है। हे देवताओं हमारा मन शिव संकल्प से भरो - तन्मे मनः शिव संकल्प मस्तु।' पूर्वजों ने सारी दुनिया को आनंदित करने के लिए लगातार चिंतन किया था। ऋग्वेद का अंतिम सूक्त ध्यान देने योग्य है। अग्नि से प्रार्थना है कि, 'हमारे मन संकल्प एक ध्येय हों। मन समान हों। सभा और समितियां भी समान हों। सब लोग साथ साथ चलें। साथ साथ प्रेमपूर्ण वार्ता करें। सबके चित्त एक समान हों। सबका समान मन चित्त समान हो। हम लोकमंगल के लिए काम करें।' अंत में कहते हैं, 'सं वो मनासि जानतां। ऐसा ही तप और कार्य हमारे पूर्वज करते आए हैं - देवानां यथा पूर्वे सं जानां उपासते।'

-हृदयनारायण दीक्षित

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

सेल्फ एम्प्लॉयमेंट का जरिया ऑर्गेनिक खेती

देश की लगभग 70 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है, वहीं यह सेक्टर पचास फीसद से ज्यादा आबादी को रोजगार भी उपलब्ध कराता है। इसके अलावा हाल के वर्षों में जिस तरह से कृषि क्षेत्र में आधुनिकीकरण हुआ है, इसमें नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बढ़ा है, पारंपरिक खेती के साथ-साथ ऑर्गेनिक और इनोवेटिव फार्मिंग हो रही है, उसने एग्रीकल्चर के प्रति समाज और खासकर युवाओं का नजरिया काफी हद तक बदला है। यही कारण है कि बीते कुछ समय में आईआईटी और आईआईएम से पास-आउट कई युवाओं ने मल्टीनेशनल कंपनियों की जॉब छोड़कर एग्रीकल्चर और एग्रीबिजनेस की ओर रुख किया है। इनके अलावा भी दूसरे सेक्टरों में काम करने वाले युवा हॉर्टिकल्चर, डेयरी, ऑर्गेनिक और पोल्ट्री फार्मिंग जैसे पेशे से जुड़ रहे हैं। उन्हें गर्व है कि वे देश और किसानों के लिए कुछ सकारात्मक कर पा रहे हैं। ऑर्गेनिक खेती का जिक्र तो आजकल बहुत हो रहा है, लेकिन सवाल यह है कि अगर किसी को इसमें करियर बनाना है, तो वह क्या करे। गौरतलब है कि यह ऐसी खेती है, जिसमें सिंथेटिक खाद, कीटनाशक आदि जैसी चीजों के बजाय तमाम ऑर्गेनिक चीजें जैसे गोबर, वर्मी कंपोस्ट, बॉयोफर्टिलाइजर्स, क्रॉप रोटेशन तकनीक आदि का इस्तेमाल किया जाता है। कम जमीन में, कम लागत में इस तरीके से पारंपरिक खेती के मुकाबले कहीं ज्यादा उत्पादन होता है। यह तरीका फसलों में जरूरी पोषक तत्वों को संरक्षित रखता है और नुकसानदेह केमिकल्स से दूर रखता है। साथ ही यह पानी भी बचाता है और जमीन को लंबे समय तक उपजाऊ बनाए रखता है। यह पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में मददगार है।

कैसे करें शुरूआत?

अगर आपको ऑर्गेनिक खेती शुरू करनी है, तो सबसे पहले आपको इसका प्रोजेक्ट या ब्लू प्रिंट बनाना होगा। यह तय करना होगा कि कितनी जमीन पर यह खेती करेंगे। जमीन की लोकेशन क्या है? जमीन किस फसल के लिए अच्छी है? आपका बजट कितना है? यह प्रोजेक्ट किसी भी चार्टर्ड एकाउंटेंट से बनवा सकते हैं। इसके बाद आपको फॉर्म 1 ए-1, 1 ए-3, 1जी और फॉर्म 11 भरकर रजिस्ट्रेशन फीस के साथ अपने राज्य के डिपार्टमेंट ऑफ ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन में जमा करना होगा।

सरकार देती है सब्सिडी

कृषि वैज्ञानिक आपकी जमीन की जांच करेंगे और यह तय करेंगे कि इसकी मिट्टी किस फसल की खेती के लिए अच्छी है। इसके बाद आपका प्रोजेक्ट कृषि विभाग में पास होने के लिए भेज दिया जाएगा। ऑर्गेनिक फार्मिंग के लिए तकरीबन हर राज्य में सरकार 80 से 90 फीसद तक सब्सिडी देती है। मतलब यह आपको पूरे प्रोजेक्ट में 10 से 20 फीसद ही इनवेस्ट करना होगा। प्रोजेक्ट पास होने के बाद ऑर्गेनिक फार्मिंग टेक्निक वाली कंपनियां सेटअप लगाने के लिए आपसे खुद संपर्क करती हैं। सरकार से मिले पैसों से ये कंपनियां आपकी जमीन पर ग्रीन हाउस और ऑर्गेनिक फार्मिंग के लिए सेटअप लगाती है। साथ ही आपको ट्रेनिंग भी देती हैं।

पूरे देश में चल रहा प्रोजेक्ट

सरकार की ओर से नेशनल ऑर्गेनिक फार्मिंग प्रोजेक्ट भी चलाया जा रहा है। इसके सेंटर की वेबसाइट से आप और भी जानकारी ले सकते हैं। दिल्ली स्थित पूसा इंस्टीट्यूट से भी पूरी जानकारी और ट्रेनिंग ले सकते हैं।

सिर्फ मानसून पर निर्भर नहीं कृषि

कृषि अब पूरी तरह से मानसून पर निर्भर नहीं है। वैज्ञानिक तरीके से अगर खेती की जाए, तो फसल भी अच्छी होती है और पानी भी कम लगता है। पहले जैसे सूखे के हालात अब नहीं पैदा होते। अब बारिश के पानी का स्टोरेज भी बेहतर तरीके से किया जाता है। इससे बारिश कम होने पर भी फसलों को पर्याप्त पानी मिल जाता है। एग्रीकल्चर स्वरोजगार का सबसे अच्छा साधन है। इससे अब अच्छी कमाई भी की जा सकती है। बहुत से प्रोफेशनल फार्मर साइंटफिक फार्मिंग के जरिये न सिर्फ अच्छा पैसा कमा रहे हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे रहे हैं। यही नहीं, प्राइवेट और गवर्नमेंट दोनों सेक्टरों में एग्रीकल्चर का स्कोप तेजी से बढ़ रहा है।

फाइन आर्ट्स में लीजिए डिग्री मिलेंगे बेहतरीन कॅरियर विकल्प

ललित कला स्नातक एक स्नातक की डिग्री है जो आपको दृश्य, ललित या प्रदर्शन कला में एक पेशेवर कॅरियर के लिए तैयार करती है। आपका कोर्सवर्क आपके फाइन आर्ट्स मेजर पर निर्भर करता है। कुछ प्रमुख जो आप ललित कला स्नातक के साथ कर सकते हैं उनमें फोटोग्राफी, कला इतिहास और नृत्य शामिल हैं।

क्या आप स्केचिंग, ड्राइंग और रचनात्मकता करना पसंद करते हैं? यदि हां, तो फिर ललित कला में अध्ययन आपके लिए अनुकूल होगा। ललित कला कला का एक अच्छा संग्रह है जो सुंदर चीजों को बनाने के लिए किया जाता है। ललित कला में स्नातक आपको ललित कला में कॅरियर के लिए सर्वश्रेष्ठ रूप से तैयार कर सकता है।

ललित कला में स्नातक क्या है?

ललित कला स्नातक एक स्नातक की डिग्री है जो आपको दृश्य, ललित या प्रदर्शन कला में एक पेशेवर कॅरियर के लिए तैयार करती है। आपका कोर्सवर्क आपके फाइन आर्ट्स मेजर पर निर्भर करता है। कुछ प्रमुख जो आप ललित कला स्नातक के साथ कर सकते हैं उनमें फोटोग्राफी, कला इतिहास और नृत्य शामिल हैं।

अधिकांश कार्यक्रमों में रचनात्मक अभ्यास के घंटों के साथ-साथ कक्षा निर्देश शामिल हैं। अंतत:, बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स की डिग्री आपको कला में विभिन्न प्रकार के करियर विकल्पों के साथ एक अच्छी तरह से शिक्षा प्रदान करती है। मुख्य ललित कलाएं फिल्म, नृत्य, पेंटिंग, फोटोग्राफी, वास्तुकला, मिट्टी के बर्तन, वैचारिक कला, मूर्तिकला, संगीत, प्रिंटमेकिंग, इंटीरियर डिजाइन और नाटक हैं। यह छात्रों को कलाकार बनने और कला के निर्माण से जुड़ी अन्य प्रथाओं का पालन करने के लिए सिखाता है और तैयार करता है। अरस्तू के अनुसार, ''कला का मुख्य उद्देश्य चीजों की बाहरी उपस्थिति का प्रतिनिधित्व नहीं करना है, बल्कि उनके आंतरिक महत्व का भी प्रतिनिधित्व करना है''।

पाठ्यक्रम और अवधि

ललित कला पाठ्यक्रमों में बड़ी संख्या में प्रमाणपत्र, डिप्लोमा और डिग्री स्तर के पाठ्यक्रम हैं जो विभिन्न संस्थानों द्वारा पेश किए जाते हैं। आप ललित कला में स्नातकोत्तर और पीएचडी पाठ्यक्रम भी कर सकते हैं। पाठ्यक्रमों की अवधि 1 से 5 वर्ष तक होती है।

डिप्लोमा कोर्स

ललित कला में डिप्लोमा : यह एक वर्षीय पाठ्यक्रम है। यह कोर्स 12वीं के बाद किया जा सकता है।

स्नातक के अंतर्गत का पाठ्यक्रम :

बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बीएफए) या बैचलर ऑफ विजुअल आर्ट्स (बीवीए) : इस कोर्स की अवधि 4 से 5 साल है।

ललित कला में कला स्नातक (बीए) : यह तीन साल की अवधि का कार्यक्रम है।

परास्नातक पाठ्यक्रम

- मास्टर ऑफ फाइन आर्ट (एमएफए) या मास्टर इन विजुअल आर्ट्स (एमवीए) : यह दो साल की अवधि का कार्यक्रम है।
- ललित कला में मास्टर ऑफ आर्ट्स (एमए) : इस पाठ्यक्रम की अवधि आम तौर पर दो वर्ष की होती है।
- कुछ संस्थान पत्राचार और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। दो प्रसिद्ध संस्थान इग्नू, दिल्ली और दिल्ली विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग पत्राचार में ललित कला पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं।

ललित कला में आवश्यक कौशल

- आपके द्वारा बनाई गई ड्राइंग आगंतुक की नजर में यथार्थवादी होनी चाहिए।
- आपको कला सामग्री और उनका उचित उपयोग कैसे करना है, इसकी जानकारी होनी चाहिए।
- अपने काम की प्रस्तुति और प्रदर्शन उचित तरीके से और सटीक होना चाहिए।
- आपके पास रचनात्मकता होनी चाहिए।
- रंग और रंग सिद्धांत के साथ प्रयोग की जाने वाली तकनीकें होनी चाहिए।
- संचार और पारस्परिक कौशल आपके भीतर मौजूद होनी चाहिए।
- आपको कुछ नवीनतम तकनीकों के साथ उपयोग किए जाने वाले सभी डिजिटल मीडिया का ज्ञान होना चाहिए।

प्रमुख जॉब प्रोफाइल इस प्रकार हैं :

- आर्ट थेरेपिस्ट
- मल्टीमीडिया प्रोग्रामर
- ड्राइंग टीचर
- सेट डिजाइनर
- प्रोडक्शन आर्टिस्ट
- म्यूजिक टीचर
- रचनात्मक निदेशक
- संपादक
- फर्नीचर डिजाइनर
- कला निर्देशक
- 3डी कलाकार
- एनिमेटर

रोजगार के क्षेत्र :

- विज्ञापन कंपनियां
- बुटीक
- कला स्टूडियो
- थियेटर
- सिलाई की दुकानें
- फैशन हाउस
- शिक्षा संस्थान
- टेलीविजन उद्योग
- एनीमेशन
- शिक्षण
- वस्त्र उद्योग
- स्कल्पचर

सैलरी पैकेज

वेतन नौकरियों के आधार पर अलग-अलग होते हैं। ललित कला में स्नातक 2 से 3 लाख रुपये प्रति वर्ष के बीच कमा सकता है। हालांकि यह उनकी प्रतिभा के आधार पर निर्भर करता है। अनुभव और ज्ञान के साथ-साथ सैलरी पैकेज में भी बढ़ोतरी होती रहती है। जो लोग विज्ञापन एजेंसियों और पब्लिशिंग हाउसेस में काम करना चाहते हैं, वे लगभग 4 से 5 लाख रुपये प्रति वर्ष का आकर्षक वेतन कमा सकते हैं।

एडमिशन

- आप किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से उच्च माध्यमिक शिक्षा (12वीं) की परीक्षा पूरी करने के बाद डिप्लोमा या डिग्री कोर्स कर सकते हैं। आप कुछ बीएफए संस्थानों द्वारा आयोजित योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।
- यदि आप मास्टर प्रोग्राम में शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको ललित कला में स्नातक की डिग्री प्राप्त करनी होगी।

कुछ प्रसिद्ध कॉलेज जो ललित कला में यूजी और पीजी पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं :

- हैदराबाद विश्वविद्यालय
- दिल्ली विश्वविद्यालय
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
- एमिटी विश्वविद्यालय
- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स, दिल्ली

कॅरियर और नौकरियां

आज विभिन्न क्षेत्रों में ललित कला के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। उत्कृष्ट वेतन, लोकप्रियता और प्रतिष्ठा प्राप्त करने के लिए, भारत की युवा आबादी इस क्षेत्र में आकर्षित हो रही है।

- स्नातक पूरा करने के बाद छात्रों के पास एक कला शिक्षक, सरकारी कार्यालयों में कलाकार या फोटोग्राफर के रूप में काम करने का विकल्प होता है। आप एक स्वतंत्र कार्यकर्ता के रूप में भी अपना करियर शुरू कर सकते हैं और निर्देशन, कपड़े, फोटोग्राफी, टेलीविजन और फैशन के लिए जा सकते हैं।
- आप अकादमिक, वास्तुकला और फिल्म उद्योग में भी करियर बना सकते हैं। आप प्रकाशन या कपड़ा उद्योग में पत्रिकाओं, विज्ञापन एजेंसियों और समाचार पत्रों के रचनात्मक विभागों में शामिल हो सकते हैं।
- ललित कला स्नातक मुख्यधारा के स्नातक रोजगार और उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला में प्रशिक्षण के लिए भी आवेदन कर सकते हैं, उदाहरण के लिए, बैंकिंग, आर्ट गैलरी, बीमा, मीडिया और जनसंपर्क।
- उम्दा कलाकार विभिन्न प्रकार के मीडिया और तकनीकों का उपयोग करके कलाकृति का निर्माण करने का काम करते हैं।
- आप अपने काम को संग्रहालयों, निजी दीर्घाओं में प्रदर्शित कर सकते हैं या निजी संग्रह रख सकते हैं और अपने काम के लिए पुरस्कृत हो सकते हैं। आपके द्वारा बनाई गई वस्तुएं स्टूडियो, नीलामी, स्टोर या कला और शिल्प शो में बिकेंगी।
- फाइन आर्ट्स में स्कोप काफी अच्छा है, आप इस प्रोफेशनल कॅरियर के तहत सम्मान और पैसा दोनों कमा सकते हैं। मल्टीमीडिया कलाकार और एनिमेटर मोशन पिक्चर या वीडियो गेमिंग उद्योगों में काम करते हैं।

पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी में गोल्डन करियर

ऊर्जा का अहम स्त्रोत होने के नाते पेट्रोलियम की उपयोगिता से सभी वाकिफ हैं। भारत पेट्रोलियम पदार्थों की अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेश से आयात करता है। अगर आंकड़ों की मानें तो पेट्रोलियम पदार्थों के उपयोग में भारत विश्व का आठवां बड़ा देश है। एचपीसीएल, बीपीसीएल, रिलायंस, इंडियन ऑयल जैसी कंपनियों से सरकार को भारी-भरकम राजस्व मिलता है।

संभावनाएं

पहले इस क्षेत्र में जियोलॉजिस्ट की काफी मांग थी, समय बदलने के साथ मैकेनिकल क्षेत्र के विशेषज्ञों ने इस इंडस्ट्री में अपनी धाक जमाई। करियर की अनेक संभावनाओं को देखते हुए इस क्षेत्र में प्रबंधन से लेकर इंजीनियरिंग तक के कोर्स शुरू हुए हैं।

कोर्स

पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी ने बीबीए, एमबीए, एमटेक, बीटेक, एमएससी जैसे कोर्स शुरू किए हैं। इसके अलावा देश के चुनिंदा संस्थानों ने पेट्रोलियम के क्षेत्र में बीई, बीटेक, एमई, एमटेक, एमएससी और बीएससी जैसे कोर्स शुरू किए हैं। ये सभी कोर्स पेट्रोकैमिकल इंजीनियरिंग, पेट्रोटेक्नोलॉजी, गैस इंजीनियरिंग, पेट्रोमार्केटिंग आदि में शुरू किए हैं।

योग्यता

बारहवीं की परीक्षा भौतिक विज्ञान, गणित और रसायन विज्ञान से 50 प्रतिशत अंकों से पास करने के बाद आप इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। कैमिकल और पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में बीई और बीटेक कर चुके छात्र पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में एमटेक के लिए आवेदन कर सकते हैं। बीबीए में प्रवेश के लिए बारहवीं किसी भी संकाय से उत्तीर्ण होना जरूरी है।

स्टडी कोर्स

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में छात्र जियोलॉजी, भौतिकी और इंजीनियरिंग के सिद्धांतों द्वारा पेट्रोलियम की रिकवरी, डेवलपमेंट और प्रोसेसिंग के बारे में जानते हैं। इसके अलावा ड्रिलिंग, मैकेनिक्स, पर्यावरण संरक्षण और पेट्रोलियम जैसे विषयों पर छात्रों की पकड़ बनाई जाती है। पेट्रोलियम इंडस्ट्री को मुख्य तौर पर दो भागों में बांट कर देख सकते हैं- अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम सेक्टर। अपस्ट्रीम सेक्टर में खोज, उत्पादन व तेल और प्राकृतिक गैसों का दोहन कैसे किया जाए, इसकी शिक्षा व ट्रेनिंग दी जाती है। डाउनस्ट्रीम सेक्टर में रिफाइनिंग, मार्केटिंग और वितरण से संबंधित पूरी जानकारी दी जाती है। पेट्रोलियम के क्षेत्र में टीम की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होती है। एक पेट्रोलियम इंजीनियर को जियोलॉजिस्ट, अन्वेषणकर्ता, इंजीनियर, पर्यावरण क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ काम करना पड़ता है।

अवसर

पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नौकरी की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। लगभग आठ लाख लोगों को रोजगार देने वाला यह क्षेत्र अवसरों से भरा पड़ा है। हिन्दुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम, रिलायंस, ओएनजीसी, पेट्रोनेट जैसी नामी-गिरामी कंपनियों के द्वार आपके लिए खुले हैं। जिस तरह पेट्रोल के नए भंडार और क्षेत्र मिल रहे हैं, उससे यह क्षेत्र आने वाले समय में बड़ा लाभकारी साबित होगा।

संस्थान

- यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम स्टडीज, देहरादून, उत्तराखंड
- डिब्रूगढ़ यूनिवर्सिटी, असम
- इंडियन स्कूल ऑफ माइंस, धनबाद
- अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम स्टडीज एंड कैमिकल इंजीनियरिंग, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
- यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, दिल्ली
- अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई, तमिलनाडु
- डॉ. हरिसिंह गौर यूनिवर्सिटी सागर, मध्य प्रदेश
- महाराष्ट्र इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे, महाराष्ट्र

अधिकमास के कारण फरियाली सामग्री की बिक्री में जोरदार उछाल

सेलम/इन्दौर । इस वर्ष अधिकमास (दो श्रावण) होने के कारण फरियाली वस्तुओं की जोरदार बिक्री देखी जा रही है और अगले महीनों में भी अच्छी बिक्री रहने की सम्भावना है। कच्चे अन्न की कम उपल्ब्धता तथा मांग में वृद्धि के कारण पिछले एक महीने से अब तक मिलेट्स के दामों में लिटिल मिलेट (भगर/मोरधन)1000 रूपये, कोदो मिलेट (कोदरा) 1700 रुपये, फिंगर मिलेट (रागी) 700 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी दर्ज की गइ, जबकि बार्नयार्ड (झंगोरा) तथा फॉक्सटेल (कंगनी) मिलेट के भाव स्थिर रहे। गोपाल साबु ने बताया कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित होने के कारण भारत में मिलेट्स के गुणों का बहुतायत से प्रचार - प्रसार हुआ है, जिसके चलते अनेक परिवारों ने चावल और गेहूं की जगह इन पोषक अनाजों का नियमित सेवन करना शुरू कर दिया है। नतीजा है कि इसके कारण मांग में लगातार वृद्धि हो रही है और किसानों को फसल के बेहतर दाम मिल रहे हैं। व्रत -उपवास में भी इनका उपयोग होने के कारण इन महीनों में मिलेट्स की खपत में अच्छी वृद्धि देखी जा रही है। हल्दी की पैदावार इस वर्ष कम हुई है और वायदा बाजार तेजी की संभावना दर्शा रहा है, जिसके कारण मंडियों में किसान बेहतर दाम लेकर अपनी उपज बेच रहे हैं। किसानों और व्यापारियों के इस रुख के कारण आने वाले दिनों में और तेजी की उम्मीद है। साबूदाने में भी त्यौहारों के चलते बिक्री में अच्छी वृद्धि होने के बावजूद भाव स्थिर से चल रहे हैं। सेलम थोक बाजार में सफेद साबूदाने के भाव 6500 से 6800 रुपये तथा पुराने कमजोर क्वालिटी के साबुदाने के भाव 5200 से 5700 रूपये प्रति क्विंटल के बीच बने हुए हैं। आगामी कुछ सप्ताह तेजी की संभावना नहीं के बराबर है। साबूदाना, हल्दी, साबुदाना पापड़, मिलेट आदि के उत्पादन और मार्केटिंग से गत 40 से भी अधिक वर्षों से कार्यरत, साबु ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड, सेलम के प्रबंध निदेशक श्री गोपाल साबु ने बताया कि हमारी कंपनी आरम्भ से ही अपने ग्राहकों को सदा बेहतरीन स्वास्थ्यवर्धक एग्रो फूड उत्पाद प्रदान करने के लिए समर्पित है। सच्चामोती, सच्चासाबु तथा चक्र एगमार्क साबूदाना, सच्चासाबु साबूदाना पापड़, अल्पाहार एगमार्क सेलम हल्दी पाउडर, कुकरीजाँकी पौष्टिक अनाज (श्री अन्न) जैसे लिटिल, कोदो, बार्नयार्ड, फॉक्सटेल और फिंगर मिलेट्स, कुकरीजॉकी मिलेट मिश्रित इडली व खमण रेडी मिक्स, अल्पाहार नारियल पाउडर, और अल्पाहार मखाना जैसे स्वास्थ्यवर्धक शुद्ध उत्पादों के निर्माता - निर्यातक हैं.

हैप्पिएस्ट माइंड्स ने क्यूआईपी से जुटाए 500 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली । सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी हैप्पिएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज ने कहा कि उसने इक्विटी शेयरों के योग्य संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिए 500 करोड़ रुपए जुटाए हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा कि निदेशक मंडल की पूंजी जुटाने वाली समिति ने योग्य निवेशकों को दो रुपए अंकित मूल्य के 54.11 लाख इक्विटी शेयर जारी करने की मंजूरी दी है। आवंटन 924 रुपए प्रति शेयर की कीमत पर किया जाएगा। कंपनी ने 2020 में अपना आईपीओ लाने के बाद पहली बार इक्विटी पूंजी जुटाई है। हैप्पिएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज के एक अधिकारी ने कहा कि जुटाई गई पूंजी से आने वाले वर्षों में व्यवसाय को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

भारत में टेमासेक करेगी 10 अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली । सिंगापुर की सरकारी निवेश कंपनी टेमासेक भारत में अगले तीन साल में 9 से 10 अरब डॉलर निवेश करने की योजना बना रही है। टेमासेक के इन्वेस्टमेंट ग्रुप के एक अे धिकारी ने कहा कि निवेश का मकसद उपभोक्ता रिटेल, स्वास्थ्य सेवा और पर्यावरण के अनुकूल कारोबार में बढ़ते मौकों का फायदा उठाना होगा। भारत में लंबे अरसे के लिए बहुत अच्छी संभावनाएं हैं और 287 अरब डॉलर के अपने कुल निवेश का 6 फीसदी भारत में लगा चुकी टेमासेक को यहां आने वाले मौके उन क्षेत्रों के लिए एकदम माकूल लग रहे हैं, जिनमें वह निवेश करती है। अे धिकारी ने कहा` कि इस समय दुनिया में सबसे तेज अधिक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि भारत की है और यहां राजकोषीय और मौद्रिक नीति भी अनुकूल है। इसलिए सही मौके मिलने पर हम भारत में अगले तीन साल में 9 से 10 अरब डॉलर निवेश करना चाहते हैं। टेमासेक के भारत में निवेश के प्रबंध निदेशक विशेष श्रीवास्तव ने कहा कि कंपनी भारत में हर साल औसतन 1 अरब डॉलर लगाती है और वित्त वर्ष 2024 के लिए वह अपने लक्ष्य से बहुत आगे निकल चुकी है क्योंकि उसने अस्पताल श्रृंखला मणिपाल समूह में 2 अरब डॉलर का निवेश किया है।

निफ्टी 50 का हिस्सा बनेगी जियो फाइनैंशियल सर्विसेज कंपनी

- 20 जुलाई से अलॉट होंगे शेयर

नई दिल्ली । रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के निवेशकों के लिए 20 जुलाई को आआईएल के फाइनैंशियल सर्विस बिजनेस रिलायंस स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड (आरएसिआईएल) को डीमर्जर किया जाएगा और ऐसा माना जा रहा है कि डीमर्जर के बाद मुकेश अंबानी का का सिक्का फाइनेंशियल सर्विस इंडस्ट्री में जम जाएगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि वह वह देश का पांचवा सबसे बड़ा प्राइवेट फाइनैंशियल इंस्टीट्यूशन बनाने के बेहद करीब हैं। नैशनल स्टॉक एक्सचेंज की तरफ से यह ऐलान किया गया है कि की फाइनैंशियल सर्विस बिजनेस आरएसआईएल के डीमर्जर की वजह से स्टॉक एक्सचेंज 20 जुलाई को आरआईएल के लिए एक विशेष प्री-ओपन सत्र आयोजित करेगा। डीमर्जर के बाद आरआइएल की फाइनेंशियल सर्विस रिलायंस स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड का नाम बदलकर जियो फाइनैंशियल सर्विसेज जेएफएसएल कर दिया जाएगा। डीमर्जर के बाद, जियो फाइनैंशियल सर्विसेज का मूल्यांकन लगभग 10,000 हजार करोड़ रुपए होगा। शेयरहोल्डर्स के लिए भी 20 जुलाई रिकॉर्ड डेट है क्योंकि इसी दिन आरआईएल अपने एलिजिबल शेयरहोल्डर्स को अपनी डीमर्ज फाइनैंशियल सर्विस एंटिटी रिलायंस स्ट्रेटेजिक इंवेस्टमेंट के शेयरों का अलॉटमेंट करेगी। बता दें कि एक्सचेंज की नई मेथेडोलॉजी के मुताबिक अगर विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा तो अलग हुई कंपनी (डीमर्ज्ड कंपनी) को निफ्टी इंडेक्स में बरकरार रखा जा सकता है। डीमर्जर के बाद, रिलायंस इंडस्ट्रीज निफ्टी इंडेक्स का हिस्सा बनी रहेगी।

भारत, अमेरिका ने डब्ल्यूटीओ में लंबित सभी व्यापार विवाद सुलझाए

नई दिल्ली ।

भारत और अमेरिका ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में लंबित सभी छह व्यापार विवादों को सुलझा लिया है। पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान दोनों देशों ने इस बारे में प्रतिबद्धता जताई थी। अधिकारी ने कहा कि दोनों देशों ने सभी लंबित विवादों के समाधान के बारे में डब्ल्यूटीओ के विवाद निपटान निकाय (डीएसबी) को बता दिया है। डब्ल्यूटीओ ने 28 अमेरिकी उत्पादों पर भारत के अतिरिक्त सीमा शुल्क लगाने से जुड़े विवादों में एक के संबंध में पहले ही सूचना जारी की है। अधिकारी ने कहा कि बाकी पांच विवादों के संबंध में भी डब्ल्यूटीओ सूचना जारी करेगा। विश्व व्यापार संगठन की 17 जुलाई की सूचना के अनुसार अमेरिका और भारत ने विवाद निपटान निकाय को बताया कि विवाद निपटान के नियमों और प्रक्रियाओं के तहत विवाद के संबंध में पारस्परिक रूप से मामलों के समाधान पर पहुंच गए हैं।

टमाटर के बाद अब सेब की कीमत छूने लगी आसमान

सोलन । टमाटर के बाद अब सेब ने भी आसमान छूना शुरू कर दिया है। बारिश के बाद खराब हो रही फसलों के कारण सब्जियों व फलों के दाम काफी बढ़ गए हैं। अच्छा टमाटर जहां शतक लगाकर आगे बढ़ चुका है वहीं अब सेब इससे कहीं आगे निकलने की तैयारी में है। सोमवार को नेरवा चौपाल से सेब लेकर पहुंचे बागवान का सेब 4000 रुपए प्रति पेटी बिका। इसके अलावा अब शिमला मिर्च भी शतक लगाने के लिए लगातार ऊंचाई छू रही है। सोमवार को शिमला मिर्च 90 रुपए किलो तक बिकी। देश भर में सब्जियों की शॉर्टेज होने के कारण डिमांड लगातार बढ़ रही है, जिससे अब सब्जियों के दाम रिकार्ड स्तर पर पहुंच रहे हैं। फलों ने भी नया रिकार्ड कायम करना शुरू कर दिया है। सोलन सब्जी मंडी की बात करें तो यहां सब्जियों और सेब की खरीददारी के लिए देशभर से लदानी पहुंचे हुए हैं। इसी कारण यहां फसलों के दाम अन्य मंडियों से अच्छे मिल रहे हैं। बारिश के बाद टमाटर फट रहा है और सड़कर दागी हो रहा है, जिससे खराब टमाटर भी मंडी में पहुंच रहा है। सोमवार को अच्छे टमाटर के दाम 2700 रुपए प्रति क्रेट तक रहे, लेकिन बारिश से फट चुका टमाटर 300 से 500 रुपए में भी मुश्किल से क्रेट बिक पाया। इसके कारण टमाटर उत्पादकों को अब भारी घाटा झेलना पड़ रहा है। रोजाना हो रही बारिश के कारण टमाटर में सडन् रोग और फटने की समस्या बढ़ती ही जा रही है। इसके कारण खेतों में खड़ी फसल समाप्त हो रही है। इसके अलावा शिमला मिर्च के दामों में भी उछाल देखा गया। एक दिन पहले जो शिमला मिर्च 50 से 70 रुपए बिक रही थी, वहीं सोमवार को 90 रुपए प्रति किलो तक बिकी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 205 , निफ्टी 37 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को भी बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही बैंकिंग शेयरों में खरीददारी हावी रहने से आया है। वहीं गत दिवस भी बाजार भारी तेजी के साथ बंद हुआ था। आज लगातार चौथे कारोबारी सत्र में बाजार में उत्साह का माहौल रहा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 205.21 अंक करीब 0.31 फीसदी ऊपर आकर 66,795.14 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 67,007.02 की ऊंचाई तक जाने के बाद 66,574.47 तक नीचे आया। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 37.80 अंक तकरीबन 0.19 फीसदी ऊपर आने के बाद अंत में 19,749.25 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,819.45 बढ़ने के बाद 19,690.20 तक गिरा।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में से 15 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। इसमें इंफोसिस, एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, रिलायंस और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर सेंसेक्स के शीर्ष पांच लाभ वाले शेयरों में रहे।

वहीं, दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 15 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। एसबीआई, बजाज फाइनैंस, टाइटन, सन फार्मा और टाटा स्टील सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले पांच शेयर रहे। इससे पहले आज सुबह बाजार रिकॉर्ड उच्च स्तर पर खुला है। बीएसई का सेंसेक्स 321.48 अंक की बढ़त के साथ 66,911.41 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 79.20 अंक की बढ़त के साथ 19,790.70 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। प्री-ओपनिंग सेशन में भारतीय बाजार की शुरुआत सपाट हुई है।

सेंसेक्स 126.69 अंक की बढ़त के साथ 66,716.62 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 50.00 अंक की बढ़त के साथ 19,761.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

एनएसई ने एंजल वन पर लगाया 1.67 करोड़ का जुर्माना

- एंजल वन पर अपने ऑथराइज्ड पर्सन की गतिविधि की निगरानी नहीं करने का आरोप

मुंबई ।

एनएसई ने एंजल वन पर अपने ऑथराइज्ड पर्सन (एपी) की गतिविधि की निगरानी नहीं करने पर 1.67 करोड़ का जुर्माना लगाया है1 कंपनी पर कैपिटल मार्केट सेगमेंट रेगुलेशन और फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस रेगुलेशन के उल्लंघन का आरोप है1 कंपनी के पास फिलहाल 21,000 ऑथराइज्ड पर्सन हैं और यह भारत की सबसे ज्यादा एपी वाले ब्रोकर्स में से एक है। इस मामले के सामने आने के बाद एनएसई ने कंपनी को निर्देश दिए हैं कि वह पिछले 1 साल में निवेशकों की शिकायतों को किस तरह से निपटारा कर रही है, इसकी जानकारी भी दे। इस खबर के सामने आते ही एंजल वन के शेयरों में बड़ी गिरावट देखी गई। सुबह इस ब्रोकरेज कंपनी के शेयर बड़ी गिरावट के साथ 1620 रुपए के भाव पर खुले और 7 फीसदी कमजोर होकर 1586 रुपए के भाव पर बंद हुए। एपी ऑथराइज्ड पर्सन सब-ब्रोकर होते हैं जो स्टॉक ब्रोकर की ओर से एक एजेंट के रूप में कार्य करते हैं या अन्यथा ऐसे स्टॉक ब्रोकरों के माध्यम से प्रतिभूतियों को खरीदने, बेचने या सेटलमेंट में निवेशकों की सहायता करते हैं। हालांकि एपी ग्राहक के पैसे और प्रतिभूतियों को संभालने के लिए अधिकृत नहीं हैं और ब्रोकर एपी के सभी कार्यों के लिए जिम्मेदार होते हैं। इस पूरे मामले पर एंजल वन ने एक्सचेंज को दी फाइलिंग में कहा है कि एनएसई का आदेश कंपनी के मौजूदा कारोबार या एपी की गतिविधियों को प्रभावित नहीं करता है। इसमें यह भी कहा गया है कि वह एनएसई के आदेश के खिलाफ अपील दायर करने समेत उपलब्ध विभिन्न विकल्पों पर विचार कर रहा है।

डॉलर के मुकाबले रुपया सीमित दायरे में

मुंबई । घरेलू शेयर बाजारों में तेजी और विदेश में अमेरिकी डॉलर की कमजोरी के चलते रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले एक सीमित दायरे में कारोबार कर रहा था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि इस सप्ताह अमेरिका में खुदरा बिक्री के आंकड़े और ब्रिटेन में मुद्रास्फीति के आंकड़े आने से पहले बाजार प्रतिभागी सतर्क बने हुए हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.01 पर खुला, और फिर गिरकर 82.06 के स्तर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले तीन पैसे की गिरावट बताता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.03 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 प्रतिशत गिरकर 99.74 पर आ गया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.31 प्रतिशत बढ़कर 78.74 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था।

भारत 7.6 फीसदी जीडीपी वृद्धि दर के साथ 2047 तक विकसित देश बन सकता है: आरबीआई

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के जुलाई बुलेटिन में प्रकाशित एक लेख में कहा गया है कि देश 7.6 प्रतिशत की औसत वार्षिक जीडीपी वृद्धि दर के साथ 2047 तक एक विकसित देश बन सकता है। इंडिया एट 100 शीर्षक वाले लेख में कहा गया है कि पूंजी भंडार, बुनियादी ढांचे और लोगों के कौशल के मौजूदा स्तर को देखते हुए यह काम आसान नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2022 को भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के अवसर पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनने की बात कही थी। हरेंद्र बेहरा, धन्या वी, कुणाल प्रियदर्शी और सपना गोयल ने अपने लेख में कहा` कि विकसित अर्थव्यवस्था बनने के लिए प्रति व्यक्ति आय का अपेक्षित स्तर हासिल करने के लिए भारत की वास्तविक जीडीपी को अगले 25 वर्षों के दौरान सालाना 7.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने की जरूरत है। लेखक आरबीआई के आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग से संबंधित हैं। केंद्रीय बैंक ने कहा कि लेख में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और आरबीआई के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। भारत की वृद्धि दर 2022-23 में 7.2 प्रतिशत थी। चालू वित्त वर्ष के दौरान इसके 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। लेख में यह भी कहा गया कि भारत को अपने औद्योगिक क्षेत्र को मजबूत करने की जरूरत है, ताकि आर्थिक संरचना को संतुलित किया जा सके। इसके लिए सकल घरेलू उत्पाद में इसकी हिस्सेदारी 2047-48 तक बढ़ाकर 35 प्रतिशत करनी होगी, जो इस समय 25.6 प्रतिशत है।

यूपी से बिहार तक महंगा हुआ पेट्रोल

- ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 78.64 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद तेल के खुदरा दाम बढ़ रहे हैं। वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड 78 डॉलर प्रति बैरल से भी नीचे उतर आया है। इस बीच मंगलवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल के खुदरा दाम में कई शहरों में बदलाव दिख रहा है। यूपी से बिहार तक तेल के दाम बढ़ गए हैं, लेकिन नोएडा शहर में पेट्रोल 35 पैसे सस्ता हो गया है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार नोएडा में पेट्रोल 35 पैसे सस्ता होकर 96.65 रुपए लीटर हो गया है, जबकि डीजल 32 पैसे गिरकर 89.82 रुपए लीटर पहुंच गया है। यूपी की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 10 पैसे महंगा हुआ और 96.57 रुपए लीटर बिक रहा है। डीजल भी यहां 10 पैसे महंगा होकर 89.76 रुपए लीटर हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 35 पैसे की बढ़त के साथ 107.59 रुपए लीटर और डीजल 32 पैसे चढ़कर 94.36 रुपए लीटर हो गया है।

कच्चे तेल में बीते 24 घंटे में फिर गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 78.64 डॉलर प्रति बैरल के चल रहा है। डब्ल्यूटीआई भी ग्लोबल मार्केट में 74.33 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.59 रुपए और डीजल 94.36 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

गूगल प्ले स्टोर पर ऐप्स की संख्या में आई गिरावट!

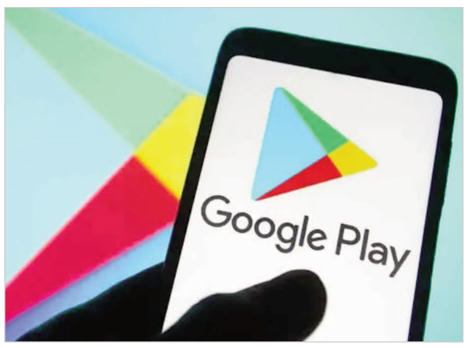

नई दिल्ली ।

एक रिपोर्ट के अनुसार गूगल की सख्त नीतियों के कारण उसके प्ले स्टोर पर उपलब्ध ऐप्स की संख्या काफी कम हो गई है, जिससे ऐप्स की कुल संख्या सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। कैसीनोएनलिग्ने डॉट कॉम के आंकड़ों के अनुसार पिछले तीन वर्षों में गूगल प्ले स्टोर पर ऐप्स की कुल संख्या 360,000 से घटकर जून में 2.59 मिलियन हो गई है। आंकड़ों से पता चलता है इनमें निम्न-गुणवत्ता वाले ऐप्स में गिरावट आई है, लेकिन गूगल प्ले स्टोर पर अभी भी उनकी हिस्सेदारी 37 प्रतिशत है। स्टेटिस्टा और ऐपब्रेन डेटा से पता चलता है कि एंड्रॉइड उपयोगकर्ता तीन साल पहले 2.95 मिलियन ऐप्स के बीच चयन कर सकते थे। 2021 के अंत तक यह संख्या गिरकर 2.7 मिलियन हो गई और लगातार गिरती रही।

जनवरी 2022 में ऐप्स की संख्या 2.64 मिलियन थी, जो दो वर्षों में 260,000 की भारी गिरावट दर्शाती है। आंकड़े बताते हैं कि 2022 के मध्य तक गूगल प्ले ऐप्स की कुल संख्या थोड़ी बढ़कर 2.65 मिलियन हो गई, लेकिन पिछले वर्ष फिर से इसमें 60,000 की गिरावट आई। जून तक, एंड्रॉइड उपयोगकर्ता 2.59 मिलियन उपलब्ध ऐप्स में से चुन सकते थे। ये तीन साल पहले की तुलना में 12 प्रतिशत कम है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले वर्ष की गिरावट के बावजूद नियमित ऐप्स की संख्या 63 प्रतिशत है, और कम गुणवत्ता वाले ऐप्स अभी भी 37 प्रतिशत हैं।

नोकिया व टीएसएससी ने भारत में खोला 5जी स्किल डेवलपमेंट सेंटर

नई दिल्ली । देश भर में 5जी तेजी से लागू होने के बीच नोकिया ने टेलीकॉम सेक्टर स्किल काउंसिल (टीएसएससी) और कौशल्या-द स्किल यूनिवर्सिटी के सहयोग से गुजरात में 5जी स्किल डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना की घोषणा की। कंपनी ने कहा कि आईटीआई कुबेरनगर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) 5जी टेक्नोलॉजी स्किल्स में उम्मीदवारों को प्रशिक्षित करने के लिए एक स्किल लैब स्थापित कर रहा है, जिसका लक्ष्य कम से कम 70 प्रतिशत शिक्षार्थियों को पाठ्यक्रम पूरा होने के 4-6 सप्ताह के भीतर प्लेसमेंट ऑफर प्रदान करना है। प्रोजेक्ट के पहले साल में लगभग 300 ऐसे उम्मीदवारों को कार्यक्रम से लाभ होगा। नोकिया इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि नोकिया टेलिकॉम टेक्नोलॉजी में लीडिंग इनोवेशन में सबसे आगे है, और हम 5जी इकोसिस्टम के निर्माण में मदद करने के लिए तकनीकी रूप से कुशल जनशक्ति का एक पूल विकसित करने के लिए निवेश कर रहे हैं। कंपनी ने कहा कि वह अपने इंडिया कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) प्रोग्राम के हिस्से के रूप में सीओई में पांच लैब के लिए बुनियादी ढांचे, उपकरण और प्रशिक्षण में निवेश करेगी।

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

मीरपुर (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम यहां बुधवार को दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में बांग्लादेश के खिलाफ जीत दर्ज कर सीरीज में बराबरी के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को अगर इस मैच में अगर जीतना है तो उसके बल्लेबाजों को धीमी पिच पर टिककर बल्लेबाजी करनी होगी। भारतीय बल्लेबाजों को अब तक स्पिनरों ने खासा परेशान किया है। पहले एकदिवसीय में भारतीय बल्लेबाज बांग्लादेश की तेज गेंदबाज मारूफा अख्तर सहित अन्य गेंदबाजों का सामना नहीं कर पाये जिससे उसे हार का सामना करना पड़ा। टीम को बांग्लादेश के खिलाफ इस प्रारूप में पहली बार हार का सामना करना पड़ा। वहीं दूसरी ओर मेजबान टीम इस मैच में जीतकर सीरीज पर कब्जा करने उतरेगी।

भारतीय टीम के लिए ये दौरा अब तक अच्छा नहीं रहा है। अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना भी रनों के लिए जूझ रही हैं। इसके अलावा शेफाली वर्मा की जगह शामिल प्रिया पूनिया भी वापसी पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी हैं।

यस्तिका भाटिया और जेमिमा रोड्रिग्स को भी रन बनाने में परेशानी हुई है। रिचा घोष के नहीं होने से टीम को फिनिशर की भूमिका के लिए कोई अन्य खिलाड़ी नहीं मिल पा रहा है। इस मैच में टीम को युवा अमनजोत कौर से बेहतर बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं-

भारत = हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, दीप्ति शर्मा, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, यस्तिका भाटिया, हरलीन देयोल, देविका वैद्य, उमा छेत्री, अमनजोत कौर, प्रिया पूनिया, पूजा वस्त्रकार, मेघना सिंह, अंजलि सरवानी, मोनिका पटेल, राशि कनौजिया, अनुषा बारेड्डी और स्नेह राणा।

बांग्लादेश =निगार सुल्ताना (कप्तान), नाहिदा अख्तर, मुर्शिदा खातून, फरगाना हक, शोभना मोस्तरी, शोर्ना अख्तर, रितु मोनी, लता मंडल, दिशा बिस्वास, मारुफा अख्तर, शर्मिन अख्तर, संजीदा अख्तर, राबिया खान, सुल्ताना खातून, सलमा खातून, फाहिमा खातून और शमीमा सुल्ताना।

पीवी सिंधू ने हासिल की सबसे खराब रैंकिंग, हुआ तगड़ा नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। उतार-चढ़ाव भरी फॉर्म से गुजर रही दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू मंगलवार को जारी नवीनतम बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग में पांच स्थान के नुकसान से 17वें स्थान पर खिसक गई। चोट के कारण पांच महीने के ब्रेक के बाद वापसी करते हुए सिंधू मौजूदा सत्र में एक भी खिताब नहीं जीत पाई हैं। दुनिया की पूर्व नंबर दो खिलाड़ी सिंधू को राष्ट्रमंडल खेल 2022 में खिताबी जीत के दौरान टखने में 'स्ट्रेस फ्रेक्चर' हो गया था। उनके अभी 14 टूर्नामेंट में 49,480 अंक हैं।

सिंधू की एक दशक से अधिक समय में यह सबसे खराब रैंकिंग है। वह पिछली बार जनवरी 2013 में 17वीं रैंकिंग पर काबिज थीं। यह भारतीय खिलाड़ी 2016 से शीर्ष 10 में शामिल थी और अप्रैल 2016 में करियर की सर्वश्रेष्ठ दूसरी रैंकिंग हासिल करने में सफल रहीं। सिंधू को उम्मीद होगी कि वह अगले साल अप्रैल में खत्म होने वाले ओलंपिक क्वालीफिकेशन समय के दौरान फॉर्म हासिल कर लेंगी, विशेषकर इंडोनेशिया के पूर्व ऑल इंग्लैंड चैंपियन कोच मोहम्मद हाफिज हाशिम की सेवाएं लेने के बाद।

एचएच प्रणय भी पुरुष रैंकिंग में एक स्थान के नुकसान से 10वें पायदान पर हैं। लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत क्रमश= 12वें और 20वें स्थान पर बने हुए हैं। साइना नेहवाल पांच स्थान के नुकसान से विश्व रैंकिंग में 36वें स्थान पर खिसक गई हैं। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी तीसरे स्थान पर बरकरार है। त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद महिला युगल में एक स्थान के नुकसान से 19वें स्थान पर हैं। मिश्रित युगल में कोई भारतीय जोड़ी शीर्ष 25 में नहीं है।

मंधाना वनडे रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंची, हरमनप्रीत 8वें स्थान पर खिसकी

दुबई (एजेंसी)। भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की मंगलवार को जारी महिला वनडे रैंकिंग में एक पायदान ऊपर चढ़कर छठे नंबर पर पहुंच गयी हैं जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर आठवें स्थान पर खिसक गयी हैं। मंधाना के 704 रेटिंग अंक हैं जबकि हरमनप्रीत के 702 अंक हैं। भारतीय कप्तान दो पायदान नीचे खिसकी है।

बाएं हाथ की स्पिनर राजेश्वरी गायकवाड़ गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल अकेली भारतीय गेंदबाज हैं। इसी तरह ऑलराउंडर की सूची में दीप्ति शर्मा शीर्ष 10 में शामिल अकेली भारतीय खिलाड़ी हैं। यह दोनों खिलाड़ी हालांकि एक-एक पायदान नीचे खिसकी हैं। गायकवाड़ नौवें जबकि ऑल राउंडर दीप्ति सातवें स्थान पर हैं। श्रीलंका की चमारी अटापट्टू बल्लेबाजों के वनडे रैंकिंग में केवल दो सप्ताह ही शीर्ष पर काबिज रही।

ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी फिर से शीर्ष पर पहुंचने में सफल रही। मूनी ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो वनडे में नाबाद 81 और से 30 रन बनाए। उनके बाद इंग्लैंड की नैट साइवर ब्रंट का नंबर आता है जो अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग 763 के साथ दो पायदान चढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। वह ऑलराउंडर की सूची में शीर्ष पर पहुंचने में कामयाब रही। इस वर्ग में भी उन्होंने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग (402) हासिल की।

दूसरे टेस्ट में तीन स्पिनरों के साथ उतर सकती है टीम इंडिया

-अक्षर को मिल सकता है मौका

मुम्बई (एजेंसी)। पोर्ट ऑफ स्पेन (ईएमएस)। भारत और मेजबान वेस्टइंडीज के बीच 20 जुलाई से यहां होने वाले मैच में भी भारतीय टीम के जीतने की प्रबल संभावना है। भारतीय टीम ने पहला टेस्ट तीन दिनों में ही आसानी से जीत लिया था। जिससे संभावना है कि ये मैच भी टीम तीन दिनों के अंदर ही जीत लेगी।

पहले टेस्ट में मेजबान बल्लेबाज भारतीय स्पिनरों आर अश्विन और रविन्द्र जडेजा के सामने टिक नहीं पाये थे। अश्विन ने मैच में कुल 12 विकेट लिए थे। पोर्ट ऑफ स्पेन में भी पिच ऐसी ही रहने की उम्मीद है। ऐसे में टीम इंडिया को दूसरे टेस्ट को भी तीन दिनों में जीत दर्ज करने के किए दो की जगह तीन स्पिनर के साथ उतरना होगा। ऐसे में अक्षर पटेल को भारतीय टीम में अवसर मिल सकता है। उन्हें तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट की जगह पर शामिल किया था सकता है क्योंकि उनादकट को एक भी विकेट नहीं मिला था।

पहले टेस्ट में 25 में से 20 विकेट स्पिन गेंदबाजों ने लिए थे। इसमें से आर अश्विन ने ही कुल 12 विकेट लिए थे। वहीं, रवींद्र जडेजा ने भी 5 विकेट लिए थे। पहले टेस्ट में 8वें ओवर से ही गेंद

घूमने लगी थी। इसके बाद भी भारतीय टीम केवल दो स्पिनरों के साथ उतरी थी। भारतीय दल में अक्षर शामिल थे पर उन्हें नहीं उतारा गया था। दूसरे टेस्ट में भी पिच से स्पिनरों को ही सहायता की उम्मीद है। इसी को देखते हुए भारतीय टीम दूसरे टेस्ट में तीन स्पिनर के साथ उतर सकती है। पोर्ट ऑफ स्पिन के क्वींस पार्क ओवल में पिछला टेस्ट 2018 में हुआ था। तब वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को 226 रन से हराया था। उस टेस्ट में भी शुरुआती दो दिन तेज गेंदबाजों को सहायता मिली थी जबकि आखिरी 2 दिन स्पिनर हावी रहे थे।

एशिया कप क्रिकेट में तीन बार हो सकता है भारत-पाक मुकाबला

मुम्बई ।भारत और पाकिस्तान की टीमें विश्वकप से पहले तीन बार टकरा सकती हैं। ये तीनों ही मुकाबले एशियाकप में होने हैं। एशिया कप 2023 की मेजबान पाक कर रहा है हालांकि इसमें भारतीय टीम के मुकाबल श्रीलंका में खेले जाएंगे। एशिया कप में भारत और पाक को एक ही ग्रुप में रखा गया है। वहीं अन्य टीमें श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल और अफगानिस्तान हैं।एशिया कप कार्यक्रम बुधवार को घोषित किये जाने की उम्मीद है।. वहीं पाक के स्थानीय मीडिया के अनुसार भारत और पाक के बीच ग्रुप राउंड में 2 सितंबर को मुकाबला हो सकता है। भारत और पाक एक ही ग्रुप में रखा गया है। दोनों ग्रुप की शीर्ष-4 टीमें सुपर-4 में जाएंगी। सुपर-4 में रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम 10 सितंबर को बाबर आजम की टीम के खिलाफ उतर सकती है। वहीं अगर भारत और पाक फाइनल में पहुंचे तो 17 सितंबर को फिर दोनों के बीच मुकाबला हो सकता है। कुल मिलाकर देखा जाये तो 15 दिन में दोनों के बीच 3 मुकाबले हो सकते हैं। पिछले साल एशिया कप में भारतीय टीम को प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। उस समय रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम फाइनल में जगह नहीं बना सकी थी। उस समय भारत और पाक के बीच 2 मुकाबले हुए थे और दोनों ही टीमों को एक-एक मैच में जीत मिली थी.

ओलंपियन चानू ने प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से मणिपुर को बचाने अपील की

न्यूयार्क। अमेरिका में प्रशिक्षण ले रही ओलंपियन भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने मणिपुर हिंसा पर चिन्ता जताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से हस्तक्षेत की मांग की है। मीराबाई ने प्रधामंत्री से भावुक अपील करते कहा कि मेर घर जल रहा है कृपया उसे बचाईये। राज्य में पिछले दो माह से जारी जातीय संघर्ष के कारण कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। मई की शुरुआत से ही राज्य में आरक्षण के मुद्दे पर दो जातीय समुदायों मैतेई और कुकी में हिंसा भड़क उठी थी। इसके बाद से ही जारी संघर्ष अब तक समाप्त नहीं हुआ है जिससे जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। चानू ने प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से सोशल मीडिया पर उनके राज्य को बचाने की अपील की है। चानू ने लाइव वीडियो में कहा कि मणिपुर में हिंसा तीसरे महीने में पहुंचने वाली है और भी तक शांति बहाली के पक्के प्रयास नहीं हो पाये हैं। इससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे, लोग काम पर नहीं जा पा रहे , हिंसा के कारण राज्य के कई खिलाड़ी प्रशिक्षण नहीं ले पा रहे हैं, शिक्षा बाधित हो रही है। कई लोगों की जान चली गई है और कई घर बर्बाद हो गए हैं या जला दिया गया। मणिपुर मेरा घर है जिससे आप बचाइये। मैं अभी अमेरिका में हूं और आगामी विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों की तैयारी कर रही हूं। मैं अभी मणिपुर में नहीं हूं पर मैं सोचती हूं, देखती हूं कि आंखिर यह हिंसा कैसे समाप्त होगी। मैं प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से स्थिति को ठीक करने और मणिपुर के लोगों को बचाने की अपील करती हूं।

डब्ल्यूएफआई तदर्थ समिति का बड़ा फैसला, बजरंग-विनेश को एशियाई खेलों में सीधा प्रवेश दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की तदर्थ समिति ने मंगलवार को ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया और विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता विनेश फोगाट को एशियाई खेलों में सीधे प्रवेश दिया। यह निर्णय हालांकि राष्ट्रीय मुख्य कोच की सहमति के बिना लिया गया।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा नियुक्त तदर्थ समिति ने एक परिपत्र में कहा कि उसने पहले ही पुरुषों की फ्रीस्टाइल 65 किग्रा और महिलाओं की 53 किग्रा में पहलवानों का चयन कर लिया है। इसके बावजूद तीनों शैलियों में से सभी छह वजन श्रेणियों में ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। तदर्थ समिति ने परिपत्र में बजरंग और विनेश का नाम नहीं लिया,

लेकिन पैनल के सदस्य अशोक गर्ग ने पुष्टि की कि दोनों पहलवानों को ट्रायल से छूट दी गई है। तदर्थ समिति ने 23 सितंबर को चीन के हांगझोउ में होने वाले एशियाई खेलों के लिए कुश्ती टीम का चयन करने के लिए ट्रायल से चार दिन पहले यह निर्णय लिया।

ग्रीको-रोमन और महिलाओं के फ्रीस्टाइल ट्रायल 22 जुलाई को होने हैं, जबकि पुरुषों के फ्रीस्टाइल ट्रायल 23 जुलाई को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में होंगे। बजरंग 65 किग्रा वर्ग के चुनौती पेश करते हैं। वह डब्ल्यूएफआई के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने वाले छह पहलवानों में से एक हैं। वह इस समय किर्गिस्तान के इस्सिक-कुल में प्रशिक्षण ले रहे हैं।

जकार्ता एशियाई खेलों (2018) में स्वर्ण पदक जीतने वाली 53 किग्रा पहलवान विनेश हंगरी के बुडापेस्ट में प्रशिक्षण ले रही हैं। कुश्ती से जुड़े सूत्र के मुताबिक बजरंग और विनेश को छूट देने का कदम उनके साथी प्रतिस्पर्धियों को पसंद नहीं आया। इन पहलवानों ने अदालत का दरवाजा खटखटाने की चुनौती दी है।

विक्टोरिया ने 2026 राष्ट्रमण्डल खेलों की मेजबानी से इंकार किया

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य ने भारी खर्च का हवाला देते हुए राष्ट्रमण्डल खेलों की मेजबानी से इंकार कर दिया है। साल 2026 के राष्ट्रमण्डल खेलों का आयोजन विक्टोरिया राज्य में होना है पर उसने कहा है कि इसमें आने वाले 34 हजार करोड़ के भारी खर्च को को देखते हुए वह इसके आयोजन में असमर्थ है। विक्टोरिया के इस फैसले से राष्ट्रमण्डल खेल संघ को भी अब नये मेजबान को तलाशना होगा। खेल संघ को बड़ी परेशानी से आयोजक के रुप में विक्टोरिया राज्य मिला था। अप्रैल 2022 में विक्टोरिया को इसकी मेजबानी सौंपी गई थी। विक्टोरिया के प्रमुख डेनियल एंड्रूज ने बताया कि पहले खेलों का बजट लगभग 15 हजार करोड़ रुपये था पर अब ये बढ़कर लगभग 34 हजार करोड़ रुपये हो गया है। एंड्रूज ने कहा कि मैं कई कठिन परिस्थितियों से गुजरा हूं पर ये अलग प्रकार की मुश्किल है। किसी भी हाल में हम इन खेलों के आयोजन के लिए 34 हजार करोड़ रुपये खर्च नहीं कर सकते। इसके लिए हमें स्कूलों और अस्पतालों का बजट कम करना होगा जो हम नहीं कर सकते। हमने राष्ट्रमण्डल खेल संघ को इस बारे में जानकारी दे दी है। गौरतलब है कि साल 2026 में होने वाले इन खेलों में 5 हजार से अधिक एथलीट शामिल होंगे। इसमें 20 से अधिक खेल स्पर्धाएं होती हैं। पिछले खेल साल 2022 में बर्मिंघम में आयोजित किए गए थे। ऑस्ट्रेलिया ने इससे पहले चार बार इन खेलों का आयोजन किया है।

विश्वकप के लिए टीम इंडिया के 20 खिलाड़ियों का कोर ग्रुप बनेगा

-वेस्टइंडीज जाएंगे मुख्य चयनकर्ता अगरकर

मुम्बई (एजेंसी)। अक्टूबर-नवंबर होने वाले एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए अब चयनकर्ता बीस खिलाड़ियों का एक कोर ग्रुप बनाएंगे। इसी को देखते हुए बीसीसीआई मुख्य चयनकर्ता अजीत आगरकर वेस्टइंडीज जायेंगे। अगरकर 20 जुलाई से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट के दौरान वहां मौजूदा रहेंगे। दोनों देशों के बीच 27 जुलाई से 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेली जाएगी।

आगरकर इस दौरान भारतीय टीम के कप्तानी रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ के साथ मिलकर 20 खिलाड़ियों को विश्वकप के लिए नामांकित करेंगे। इन खिलाड़ियों में चोटिल खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह, लोकेश राहुल, श्रेयस अय्यर भी शामिल हैं। विश्वक वर्ल्ड कप के बाद से ही 9 खिलाड़ियों को केवल एक ही एकदिवसीय मैच खेलने का मौका मिला। इसमें ऋतुराज गायकवाड़, राहुल चाहर, शिवम दुबे, कृष्णप्पा गौतम, नीतीश राणा, रवि बिश्नोई, चेतन सकारिया, कुलदीप सेन और जयंद यादव शामिल हैं। वहीं 3 खिलाड़ियों को 2-2 एकदिवसीय खेलने को मिले हैं। इसमें आर अश्विन, टी नटराजन और वेंकटेश अय्यर भी शामिल हैं! पिछले 4 साल में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने टीम इंडिया की ओर से सबसे अधिक 38 एकदिवसीय खेले हैं. उन्होंने 5 शतक और 11 अर्धशतक के साथ ही 1612 रन बनाए हैं। वहीं शिखर धवन 37 एकदिवसीय खेलकर दूसरे नंबर पर है पर अब वह टीम से बाहर हैं। धवन ने 41 की औसत से 1313 रन बनाए हैं। स्पिनर गेंदबाज कुलदीप यादव और ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने 30-30 एकदिवसीय खेले हैं।

विश्व जूनियर निशानेबाजी की पदक तालिका में शीर्ष पर पहुंचा भारत

भारत ने कोरिया के चांगवोन में आईएसएसएफ जूनियर विश्व निशानेबाजी चैंपियनशिप के तीसरे दिन मंगलवार को चौथा स्वर्ण पदक जीतकर चीन को पीछे छोड़ते हुए पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। चीन के तीन स्वर्ण पदक हैं। पार्थ माने, अभिनव साव और धनुष श्रीकांत ने मिलकर पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में भारत के लिए दिन का एकमात्र स्वर्ण पदक जीता। उनके अलावा राइजा ढिल्लों ने महिलाओं की स्कीट में रजत पदक जबकि उमामहेश मदीनेनी ने पुरुषों की 10 मीटर राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया। यह प्रतियोगिता अभी छह दिन और चलेगी। पार्थ, अभिनव और धनुष की तिकड़ी ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में कुल 1886.7 का स्कोर बनाया। चीन दूसरे स्थान पर रहा, जिसके निशानेबाजों ने कुल 1883.5 का स्कोर किया। कोरिया ने कांस्य पदक जीता। यह अभिनव का टूर्नामेंट में दूसरा स्वर्ण पदक है। उन्होंने सोमवार को गौतमी भनोट के साथ मिलकर 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता था। पुरुषों के 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा में उमामहेश के अलावा अभिनव और धनुष भी फाइनल में पहुंचने वाले आठ खिलाड़ियों में शामिल थे। अभिनव ने 631.4 अंक बनाए और वह 64 खिलाड़ियों में शीर्ष पर रहे थे। धनुष 629.9 अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहे थे। उमामहेश ने 627.9 अंक बनाए और उन्होंने सातवें स्थान पर रहकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। फाइनल में हालांकि उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया और 229 अंक बनाकर कांस्य पदक हासिल किया। वह उस समय रजत पदक जीतने वाले चीनी वांग होंगहाओ से 0.6 अंक पीछे थे। फ्रांस के रोमेन औफ्रेरे ने स्वर्ण पदक जीता। अभिनव चौथे और धनुष छठे स्थान पर रहे। महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में सोनम मासकर फाइनल में पहुंचने वाली एकमात्र भारतीय रही। वह आखिर में सातवें स्थान पर रही। महिलाओं की स्कीट में राइजा ने 110 का स्कोर बनाकर छठा और अंतिम क्वालीफाइंग स्थान हासिल किया। फाइनल में वह और स्लोवाकिया की मिरोस्लावा होकोवा समान 51 अंक लेकर शीर्ष पर रही। इसके बाद शूट ऑफ का सहारा लिया गया जिसमें भारतीय खिलाड़ी दूसरा लक्ष्य चूक गई। होकोवा ने दोनों अवसरों पर सही निशाने लगाए। पुरुषों की स्कीट में हरमेहर लाली ने 119 का स्कोर किया। वह छह खिलाड़ियों के फाइनल में जगह बनाने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी रहे लेकिन आखिर में उन्हें पांचवें स्थान से संतोष करना पड़ा।

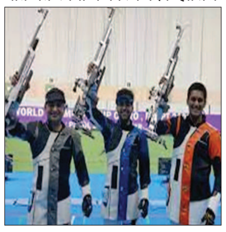

वान डि पोल गोलकीपिंग के शानदार कोच, भारतीय हॉकी को उनके मार्गदर्शन से होगा फायदा: श्रीजेश

बेंगलुरु (एजेंसी)। अनुभवी भारतीय हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश का मानना है कि इस महीने स्पेन में खेले जाने वाले टूर्नामेंट और तीन अगस्त से चेन्नई में आयोजित होने वाली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी से पहले नीदरलैंड के डेनिस वान डि पोल के साथ गोलकीपिंग के लिए विशेष कोचिंग शिविर से टीम को 'निश्चित रूप से मदद% मिलेगी। यह गोलकीपिंग कोच बेंगलुरु में भारतीय टीम के गोलकीपरों के लिए दो विशेष शिविर में शामिल रहेगा। उनकी देख रेख में पहले शिविर का आयोजन यहां जारी है जबकि दूसरा शिविर हांगझोउ में एशियाई खेलों से पहले सात से 14 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा।

श्रीजेश ने ओलंपिक में भारत के पदक के चार दशक के सूखे को खत्म करने में अहम भूमिका निभाई थी। उनके शानदार प्रयास से भारत ने तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने कहा वान डि पोल के आने से भारत के युवा गोलकीपरों को फायदा होगा। श्रीजेश ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, '' डेनिस वान डि पोल एक शानदार कोच हैं। उनके अनुभव और क्षमता वाले किसी व्यक्ति के साथ मिलकर काम करना निश्चित रूप से फायदेमंद रहा है। हमें आने वाले समय में महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों में भाग लेना है। मेरा मानना है कि हमने यहां उनके समय का अच्छा उपयोग किया है। इससे खासकर युवा गोलकीपरों को काफी फायदा होगा।'

श्रीजेश ने कहा, '' खेल की उनकी समझ और कोचिंग कौशल ने निश्चित रूप से मदद की है। हमने पेनल्टी कॉर्नर के बचाव, पेनल्टी शूटआउट और सबसे महत्वपूर्ण रूप से हमारे फुटवर्क सहित विभिन्न अभ्यासों पर काम किया है।' भारत 25 से 30 जुलाई तक स्पेन के टेरेसा में 'स्पेनिश हॉकी फेडरेशन' के 100 साल पूरे होने पर आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के साथ अपने व्यस्त सत्र की शुरुआत करेगा। टीम का सत्र 23 सितंबर को शुरू होने वाले हांगझोउ एशियाई खेलों के साथ समाप्त होगा।

स्पेन में पांच दिवसीय टूर्नामेंट में भारत का सामना इंग्लैंड, नीदरलैंड और मेजबान टीम से होगा। टीम चेन्नई में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में एकल राउंड-रॉबिन प्रारूप में चीन, कोरिया, जापान, पाकिस्तान और मलेशिया से भिड़ेगी। पैंतीस साल के श्रीजेश ने कहा कि उन्होंने इस सत्र में जो सीखा है उसका अभ्यास कर रहे हैं और इसे मैदान पर उतारने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा, '' मेरा तात्कालिक ध्यान 'स्पेनिश हॉकी महासंघ' की 100वीं वर्षगांठ

के मुकाबलों पर है। इस टूर्नामेंट में हम शिविर में सीखी चीजों को मैदान में उतारने की कोशिश करेंगे। इसके बाद एशियाई चैम्पियनशिप में हम एशियाई खेलों की तैयारियों को परखेंगे।'

गुजरात के 6 जिले 'भूमि सम्मान' अवॉर्ड से सम्मानित, राष्ट्रपति ने प्लेटिनम प्रमाणपत्र प्रदान किया गया

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य सरकार की उपलब्धियों की गौरव गाथा में एक और अध्याय जुड़ गया है। केंद्र सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय ने राजस्व के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के अंतर्गत 'भूमि सम्मान' अवॉर्ड के लिए गुजरात के 3 आदिवासी बहुल जिलों सहित कुल 6 जिलों का चयन किया है। राष्ट्रपति के करकमलों से मंगलवार, 18 जुलाई को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में राज्य के इन 6 जिलों को 'भूमि सम्मान-प्लेटिनम सर्टिफिकेट' प्रदान किए गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2022 के बजट के बाद आयोजित वेबिनार के माध्यम से इस बात के लिए विशेष ताकीद की थी कि सरकारी योजनाओं के लाभ से अंतिम छोर का कोई भी नागरिक वंचित न रहे। इसके अतिरिक्त, गत 3 जुलाई, 2023 को प्रधानमंत्री ने मंत्रिमंडल की बैठक में भी योजनाओं के सभी घटकों के 100 प्रतिशत सैचुरेशन का आह्वान किया था। इसके हिस्से के रूप में टेक्नोलॉजी के उपयोग से भूमि अभिलेखों का आधुनिक, व्यापक और पारदर्शी सिस्टम बनाया गया है। राष्ट्रपति ने भी अपने सुझाव में इस बात पर जोर दिया है कि एक भी नागरिक जनकल्याण की योजना से वंचित न रहे। भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा इस दिशा में लागू कार्यक्रम 'डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम' (डीआईएलआरएमपी) के अंतर्गत राज्य में राजस्व सेवाओं को ऑनलाइन, अद्यतन और पारदर्शी बनाने को लेकर उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है। इसके अंतर्गत केंद्र सरकार के निर्धारित मापदंडों के अनुसार सफलतापूर्वक कार्य करने के संबंध में सभी 6 श्रेणियों में सर्वोच्च- प्लेटिनम सर्टिफिकेट अवॉर्ड के लिए राज्य के अरवल्ली, डांग, जामनगर, मेहसाणा, नर्मदा और साबरकांठा जिलों का समावेश किया गया है। उल्लेखनीय है कि गुजरात ने रिकॉर्ड डिजिटलीकरण के जरिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए डिजिटल इंडिया अभियान के आह्वान को स्वीकार कर लिया है। डीआईएलआरएमपी के अंतर्गत राज्य सरकार ने ऐसी व्यवस्था की है, जिससे राजस्व सेवाएं ऑनलाइन माध्यम से घर बैठे ही उपलब्ध हो सके। संपत्ति संबंधी लेन-देन के दस्तावेज के पंजीकरण का काम भी कंप्यूटरीकृत किया गया है। इसके साथ ही, पारदर्शिता बनाए रखने के उद्देश्य से सभी अभिलेखों को अद्यतन और डिजिटलाइज कर पोर्टल पर रखा गया है। डीआईएलआरएमपी योजना के कुल छह प्रमुख घटक हैं- 1) भूमि अभिलेखों का कंप्यूटरीकरण (ऋअक्र), 2) कैस्ट्रल मैप्स/स्नख्रह्य का डिजिटलीकरण, 3) कैस्ट्रल मैप्स के साथ ऋअक्र का जुड़ाव, 4) पंजीकरण का कंप्यूटरीकरण, 5) भूमि अभिलेखों (राजस्व कार्यालय) के साथ पंजीकरण का एकीकरण (स्त्रह्र) और 6) आधुनिक रिकॉर्ड रूम। इन सभी घटकों में 99 फीसदी या उससे अधिक सफलतापूर्वक कार्य करने वाले राज्य को प्लेटिनम सर्टिफिकेट, 95 से 99 फीसदी तक सफलतापूर्वक कार्य करने वाले राज्यों को गोल्ड सर्टिफिकेट तथा 90 से 95 फीसदी कार्य तक सफलतापूर्वक कार्य करने वाले राज्यों को सिल्वर सर्टिफिकेट के लिए चुना गया है। गुजरात के छह जिलों को डीआईएलआरएमपी के सभी 6 घटकों में 99 फीसदी से अधिक उपलब्धियां प्राप्त करने के लिए प्लेटिनम सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया है। गुजरात सरकार की ओर से भूमि सुधार आयुक्त श्री पी. स्वरूप, स्टाम्प अधीक्षक तथा पंजीकरण सर निरीक्षक श्री जेनु देवन, सैटलमेंट आयुक्त श्री एम. ए. पंड्या ने यह अवॉर्ड स्वीकार किया। इसके अतिरिक्त, संबंधित जिलों के अधिकारियों को भी राष्ट्रपति द्वारा प्लेटिनम सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। उल्लेखनीय है कि, देश आजादी के अमृत काल से गुजर रहा है, तब ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2021-22 से वर्ष 2025-26 तक डीआईएलआरएमपी कार्यक्रम को पूर्ण करने के लिए विशेष जोर दिया जा रहा है।

किराया बढ़ने के बावजूद बीआरटीएस के यात्रियों में इजाफा

अहमदाबाद।

अहमदाबाद महानगर पालिका संचालित एएमटीएस और बीआरटीएस की बसों के किरायों में 1 जुलाई 2023 से वृद्धि की गई थी। एएमटीएस और बीआरटीएस बसों में किराया बढ़ने के बाद आशंका जताई जा रही थी कि रोजाना यात्रियों के कम होने से आय घट सकती है। लेकिन किराया बढ़ने के बाद भी एएमटीएस और बीआरटीएस की लोकप्रियता बरकरार रही है। इतना ही नहीं किराया बढ़ने के बाद रोजाना 10 हजार यात्रियों की बढ़ोत्तरी होने से रोजाना आय का आंकड़ा 2। लाख रुपए को पार कर गया है। खासकर बीआरटीएस बस की सर्विस, नियमितता, तेज गति और सफाई इत्यादि को लेकर लोग तारीफ करते हैं। हांलाकि कुछ बसों में एसी के धीमी गति से चलता होने की शिकायतें सामने आई हैं, इसके बावजूद यात्रियों में बीआरटीएस पहली पसंद बनी हुई है। एएमटीएस की तरह ही बीआरटीएस बसों के किराये में 1 जुलाई से वृद्धि की गई है। जिसकी वजह से बीआरटीएस में यात्रियों की संख्या घटेगी ऐसी आशंका जताई जा रही थी। लेकिन वास्तविक चित्र अहमदाबाद महानगर पालिका के लिए उत्साहजनक है। किराये बढ़ने के बावजूद शहर के लोगों में बीआरटीएस की लोकप्रियता में कोई कमी नहीं है। प्रशासन की रिपोर्ट के मुताबिक बीआरटीएस की रोजाना आय 2। लाख रुपए को पार कर गई है। 1 जुलाई से 13 जुलाई 2023 की अवधि के दौरान महानगर पालिका को रोजाना रु. 2 l.30 की आय हुई है। पहले की भांति औसत 30। बसें सड़कों पर दौड़ रही हैं। इसके बावजूद यात्रियों और आय के मामले में बीआरटीएस फायदे में चल रही है। गत जून महीने में 1.80 लाख यात्री रोजाना बीआरटीएस बस सेवा का लाभ लेते थे। जो जुलाई में बढ़कर 1.90 लाख हो गए हैं। यानी जून महीने के मुकाबले जुलाई में बीआरटीएस यात्रियों में 10000 का इजाफा हुआ है। जून महीने में प्रशासन को बीआरटीएस से 2324134.90 रुपए की आय हुई थी। जबकि 1 जुलाई से 13 जुलाई तक बीआरटीएस से प्रशासन को 27.30 रुपए की आय हो चुकी है।

एएमएनएस इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों का देश राग भारत संस्कृति यात्रा महोत्सव में उत्कृष्ट प्रदर्शन

सूरत भूमि, हजीरा-सूरत। एएमएनएस इंटरनेशनल स्कूलने देश राग भारत संस्कृति यात्रा महोत्सव में अपने छात्रों के शानदार नृत्य प्रदर्शन से सूरत को एक बार फिर वैश्विक मानचित्र पर ला दिया है।

फ्लोरिडा विश्वविद्यालय भारत संस्कृति यात्रा, हिंदू परिषद थाईलैंड, नृत्यधाम कला समिति और हिंदुस्तान आर्ट एंड म्यूजिक सोसाइटी ने साथ मिलकर 5 से 9 जुलाई तक थाईलैंड के पटाया शहर में कला और संस्कृति के 18वें वैश्विक महोत्सव का आयोजन किया। देश राग भारत संस्कृति यात्रा महोत्सव का उद्देश्य भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देना है।

एएमएनएस इंटरनेशनल स्कूल के कक्षा 3 से 7 में पढ़ने वाले चौदह छात्र थाईलैंड, अमेरिका, नेपाल, बांग्लादेश, जापान और भारत के 72 प्रतिभागियों में से विजेताओं में से थे।

मलेशिया में एकल शास्त्रीय नृत्य और उसके बाद के राउंड में थाईलैंड में कशिश केतन जोशी को अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण नृत्यधाम कला समिति और हिंदुस्तान आर्ट एंड म्यूजिक सोसाइटी से अंतरराष्ट्रीय छात्रवृत्ति प्राप्त हुई।

दिवा डेनिस ठक्कर ने भरतनाट्यम में अपने नृत्य से एकल शास्त्रीय नृत्य में पहला स्थान हासिल किया। इसके अतिरिक्त, सानवी मिस्त्री, फोरम मेवावाला, योशिता सना, मान्या कंसारा, धृति दर्जी और फैरी पटेल ने दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि हिरण्या सांचीहार को तीसरा पुरस्कार मिला।

छात्रों की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए एएमएनएस इंटरनेशनल स्कूल की प्रिंसिपल सुनीता मटूने कहा, "देश राग भारत संस्कृति यात्रा महोत्सव में उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए हमें अपने छात्रों पर बेहद गर्व है। उनके समर्पण, प्रतिभा और कड़ी मेहनत ने हमारे स्कूल और सूरत शहर का नाम रोशन किया है। हमें बेहद खुशी है कि हमारे छात्र स्कूल द्वारा उपलब्ध कराए गए सभी अवसरों का लाभ उठा रहे हैं और वैश्विक क्षेत्र में अपने कौशल और क्षमताओं को गुणात्मक रूप से बढ़ाकर उत्तरोत्तर प्रगति कर रहे हैं।"

एक्सपोर्ट परफ़ॉर्मेंस पिलर में गुजरात प्रथम स्थान पर, भारत के शीर्षस्थ 10 ज़िलों में गुजरात के 4 ज़िले

गांधीनगर ।

एक्सपोर्ट प्रिपेयर्डनेस इंडेक्स (ईपीआई) चार मुख्य स्तंभों (पिलर्स) में राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों की एक्सपोर्ट प्रिपेयर्डनेस यानी निर्यात सज्जता का मूल्यांकन करने का व्यापक आकलन ढाँचा है। इन चार स्तंभों में पॉलिसी, बिज़नेस इकोसिस्टम, एक्सपोर्ट इकोसिस्टम तथा एक्सपोर्ट परफ़ॉर्मेंस का समावेश होता है। वित्तीय वर्ष (एफवाय) 2021-22 के लिए ईपीआई 2022 मूल्यांकन किया गया और नीति आयोग द्वारा 17 जुलाई, 2023 को इसके परिणामों की घोषणा की गई। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात ने एक्सपोर्ट परफ़ॉर्मेंस पिलर में प्रथम और पॉलिसी पिलर में द्वितीय क्रमांक हासिल किया है। 126 बिलियन यूएस डॉलर से अधिक के निर्यात के साथ गुजरात वित्तीय वर्ष 2021-22 में मर्चेंडाइज़ निर्यात में भारत में अग्रसर था, जो भारत के कुल मर्चेंडाइज़ निर्यात में 30% हिस्सा है। पूर्व के वर्ष (वित्तीय वर्ष 2020-21) के लिए गुजरात का मर्चेंडाइज़ निर्यात 63 बिलियन यूएस डॉलर था। यानी वृद्धि की दृष्टि से देखें, तो गुजरात ने अपने निर्यात मूल्य को दुगुना किया है। सभी पिलर्स के वेटेज का योग करें, तो गुजरात 73.22 का स्कोर हासिल कर चौथे क्रम पर रहा था। गुजरात से होने वाला मर्चेंडाइज़ निर्यात उसके ग्रोस स्टेट डोमेस्टिक प्रोडक्ट (GSDP) में 35% योगदान देता है, जो सभी राज्यों में सर्वाधिक प्रतिशतता है। इसके अतिरिक्त, वित्तीय वर्ष 2021-22 में 4234 नए निर्यातकों के साथ गुजरात में सभी राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों की तुलना में निर्यातकों की संख्या में सर्वाधिक वृद्धि देखने को मिली। ईपीआई 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के शीर्षस्थ दस ज़िलों में गुजरात के 4 ज़िले हैं और निर्यात की दृष्टि से शीर्षस्थ 25 ज़िलों में 8 ज़िले हैं, जो देश के सभी राज्यों में सर्वाधिक हैं। गुजरात के शीर्षस्थ 4 ज़िलों जामनगर, सूरत, भरूच तथा अहमदाबाद भारत से होने वाले कुल मर्चेंडाइज़ निर्यात में पाँचवें हिस्से से अधिक योगदान देते हैं। भारत से होने वाले कुल मर्चेंडाइज़ निर्यात में जामनगर अकेला ही सर्वाधिक 12.18% योगदान देता है; जो आंध्र प्रदेश, ओडिशा तथा हरियाणा के कुल योगदान के समकक्ष है। रिपोर्ट में ज़िलों को केन्द्र में रखते हुए गुजरात में निर्यात का कामकाज बढ़ाने के प्रयासों की प्रशंसा की गई है। गुजरात ने ज़िला स्तर पर निर्यात कामकाज को गति तथा प्रोत्साहन मिले; इसके लिए सभी 33 ज़िलों में डिस्ट्रिक्ट एक्सपोर्ट प्रमोशन कमिटी (डीईपीसी) का गठन किया है और डिस्ट्रिक्ट एक्सपोर्ट प्रमोशन प्लान (डीईपीपी) तैयार किया है। मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात वर्ष 2030 तक भारत के 1 ट्रिलियन यूएस डॉलर मर्चेंडाइज़ निर्यात लक्ष्य को हासिल करने के लिए सक्रिय नीतिगत क़दम उठाना जारी रखेगा और ढाँचागत सुविधाओं को मज़बूत करेगा।

पीएम मोदी 27 जुलाई को करेंगे राजकोट के हीरासर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट का लोकार्पण

राजकोट।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट राजकोट का हीरासर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट बनकर तैयार हो गया है और इसके लोकार्पण को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। पीएम मोदी आगामी 27 जुलाई को हीरासर एयरपोर्ट का उदघाटन करेंगे। राजकोट कलेक्टर और एयरपोर्ट ऑथोरिटी ने इसकी अधिकृत घोषणा की है। इसी के साथ हीरासर एयरपोर्ट के उदघाटन की तैयारियां तैयारियां तेज हो गई हैं।

डिरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविशन (डीजीसीए) एयरपोर्ट पर बाकी रह गए कामों से तेजी से पूरे करने के प्रयासों में जुट गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 27 जुलाई को राजकोट के अंतर्राष्ट्रीय ग्रीन फिल्ड एयरपोर्ट का उदघाटन करने गुजरात आएंगे। ग्रीन फिल्ड एयरपोर्ट के निर्माण से समूचे सौराष्ट्र को फायदा होगा। हीरासर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट राजकोट से 30 किलोमीटर दूर कुवाडवा गांव के निकट बनाया गया है।

1032 हेक्टर में बने इस एयरपोर्ट में 14 पार्किंग स्टेन्ड बनाए गए हैं। पैसेन्जर टर्मिनल क्षेत्र 23 हजार वर्गमीटर है। हीरासर एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई 3.4 किलोमीटर है। एयरपोर्ट पर 280 से अधिक यात्रियों की वहन क्षमता और प्रति घंटे 5375 किलोमीटर की गति से उड़ सके ऐसे 'सी' प्रकार के प्लेन ऑपरेट किए जाएंगे। राजकोट समेत सौराष्ट्र को एयरबस ए-320-200 और बोइंग बी-737-900 जैसे विमानों की सुविधा उपलब्ध होगी। हीरासर एयरपोर्ट पर सोलर पावर सिस्टम, ग्रीन बेल्ट और रैन वॉर हार्वेसिंग सिस्टम भी लगाई गई है। एयरपोर्ट पर समानांतर दो टैक्सी-वे होंगे और एप्रेन, रेपिड एक्जिट टैक्सी ट्रेक, टर्मिनल बिल्डिंग, कार्गो, एमआरओ/हेन्गार्स की सुविधा भी उपलब्ध होगी। एयरपोर्ट पर ।

बोर्डिंग गेट होंगे, जिसमें 3 एरोब्रिज और 3 कन्वेचर बेल्ट होंगे। एयरपोर्ट अंतर्राष्ट्रीय होने की वजह से दो कस्टम काउंटर के साथ 8 इमिग्रेशन काउंटर होंगे।

सूरत और वापी स्तिथ ऑन्कोलॉजी डॉक्टरों के लिए 22 जुलाई को सूरत में जीआई ऑन्कोलॉजी और न्यूरो ऑन्कोलॉजी विषय पर होगा वार्तालाप

सूरत।

सूरत स्थित साउथ गुजरात ऑन्कोलॉजी एसोसिएशन, मुंबई के प्रसिद्ध मल्टी-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल डॉ. एल एच हीरानंदानी हॉस्पिटल के सहयोग से शनिवार, 22 जुलाई को सूरत और वापी स्थित ऑन्कोलॉजी परामर्श डॉक्टरों के लिए 'द अमोरे होटल, वी आर मॉल के पास, सूरत में दो शैक्षिक वार्ता का आयोजन कर रहा है। वार्तालाप के विषय हैं : 1) पेट और मलाशय के कैंसर की हालिया प्रगति- ऑन्कोलॉजी (कैंसर) सर्जन डॉ. दीपक छाबड़ा द्वारा और 2) ब्रेन ट्यूमर और सेंट्रल नर्वस सिस्टम की पहचान- न्यूरो सर्जन डॉ. सचिन गिरी द्वारा दोनों प्रसिद्ध डॉक्टर मुंबई में डॉ एल एच हीरानंदानी अस्पताल में प्रैक्टिस करते है.

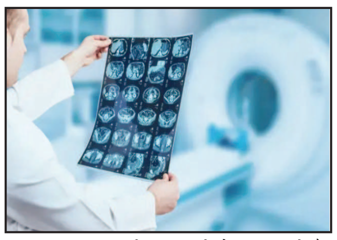

इस शैक्षिक वार्ता का उद्देश्य है बेहतर रोगी देखभाल के लिए सूरत में ऑन्कोलॉजी बिरादरी के साथ अद्यतन और सहयोग करना, लक्षणों की पहचान, प्रारंभिक विशेष परीक्षण आयोजित करना और बेहतर सर्जिकल परिणाम के लिए सही योजना बनाना.

एल एच हीरानंदानी अस्पताल सूरत स्थित 'जियोमैक्स हॉस्पिटल' से भी जुड़ा हुआ है, जहां लिवर ट्रांसप्लांट विशेषज्ञ डॉ. स्वप्निल शर्मा पिछले एक साल से महीने में एकबार सूरत के मरीजों के लिए ओपीडी आयोजित करने के लिए आते हैं।

ये शैक्षिक वार्तालाप अस्पताल की 'सतत चिकित्सा शिक्षा' (CME) पहल के तहत कार्यरत डॉक्टरों को अद्यतन करने के लिए आयोजित की जा रही है।

अधिक जानकारी और इस शैक्षिक वार्ता में भाग लेने के लिए सूरत और वापी में कार्यरत ऑन्कोलॉजी डॉक्टरों नीलेश पहाड़े – 9769980281 से संपर्क कर सकते हैं।

बाधारहित निरन्तर शिपिंग के उद्देश्य से पोर्टर ने सम्पूर्ण भारत में इंटरसिटी कूरियर सर्विस की शुरुआत की

भारत की सबसे बड़ी तकनीकी पर आधारित और ऑन-डिमांड लॉजिस्टिक्स कंपनियों में से एक, पोर्टर ने अपनी इंटरसिटी कूरियर सर्विस को आरम्भ करने की घोषणा की है। उक्त सर्विस का उद्देश्य देश भर में वस्तुए ट्रांसपोर्ट करने के तरीके में सकारात्मक बदलाव लाना है। यह तकनीक-सक्षम इंटरसिटी डिलीवरी पेशकश, ग्राहकों की एक विस्तृत श्रृंखला को विश्वसनीय, किफायती और बाधारहित डोरस्टेप पिकअप और डिलीवरी सर्विसेस प्रदान करके लॉजिस्टिक्स परिदृश्य को आसान और सहज बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इन ग्राहकों में छोटे और मध्यम आकार के उद्यम, खुदरा व्यवसाय और नियमित उपभोक्ता शामिल हैं। इस घोषणा के बारे में बात करते हुए, श्री उत्तम डिग्गा, सीओओ और सह-संस्थापक, पोर्टर, ने कहा, "हम अपनी नई इंटरसिटी कूरियर सर्विसेस की शुरुआत करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं, जिसका उद्देश्य लॉजिस्टिक इंडस्ट्री की खामियों को खत्म करना और हमारे मूल्यवान ग्राहकों के लिए बाधा रहित, विश्वसनीय और किफायती समाधान प्रदान करना है। हमने अपनी इंटरसिटी कूरियर सर्विस में कुशलता और निर्बाधता की समान गुणवत्ता स्थापित करने का लक्ष्य साधा है, जैसा कि हम अपने इंट्रासिटी लॉजिस्टिक्स के लिए यह विकसित करने में सक्षम रहे हैं।"

पोर्टर, इंटरसिटी लॉजिस्टिक्स के लिए एक सहज और संगठित समाधान की आवश्यकता को बखूबी पहचानता है। इस प्रकार, इसकी यह नई सर्विस बिना किसी अतिरिक्त शुल्क या न्यूनतम ऑर्डर आवश्यकताओं के डोरस्टेप पिकअप सुनिश्चित करके अद्वितीय सुविधा प्रदान करती है। शुरुआती रूप से, इस सर्विस की उपलब्धता 20 किलोग्राम तक वजन वाले शिपमेंट्स के लिए है, जो पूरे भारत में मुंबई, दिल्ली, बैंगलोर, चेन्नई, हैदराबाद, पुणे, कोलकाता, सूरत, अहमदाबाद और कोयंबटूर सहित कुल 19,000 से अधिक पिन कोड्स या क्षेत्रों तक तेज़ और सुरक्षित ट्रांसपोर्टेशन प्रदान करती है। आने वाले महीनों में, सभी तरह के व्यवसायों के लिए एक बहुमुखी लॉजिस्टिक्स समाधान के रूप में अपनी उपस्थिति को सुदृढ़ करते हुए, पोर्टर अपनी इंटरसिटी कूरियर क्षमताओं में इजाफा करेगा और साथ ही अन्य भारतीय शहरों में भी अपना विस्तार करेगा।

डीएसपी म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया डीएसपी एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स ईटीएफ

डीएसपी म्यूचुअल फंड ने तीन ओपन-एंडेड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) डीएसपी एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स ईटीएफ, डीएसपी निफ्टी प्राइवेट बैंक ईटीएफ और डीएसपी निफ्टी पीएसयू बैंक ईटीएफ लॉन्च करने की घोषणा की.

डीएसपी एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स ईटीएफ एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स इंडेक्स कोट्रैक करता है और निवेशकों को अनुकूल इकोनॉमिक एंड कैपेक्स कंडीशंस वाली सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक भारत के बाजारों में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है. डीएसपी निफ्टी प्राइवेट बैंक ईटीएफ निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स कोट्रैक करता है, जो निवेशकों को भारतीय प्राइवेट बैंकों के लंबे समय के स्ट्रक्चरल ग्रोथ कह कहानी में हिस्सा लेने का मौका देता है. डीएसपी निफ्टी पीएसयू बैंक ईटीएफ निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स कोट्रैक करता है और निवेशकों को पीएसयू बैंकों के रिवाइवल में दांव लगाने का मौका देता है.

डीएसपी म्यूचुअल फंड केपैसिव इन्वेस्टमेंट्स एंड प्रोडक्ट्सके प्रमुख -अनिल घेलानी कहते हैं, "भारत की ग्रोथ स्टोरी ने निवेशकों के लिए लंबे समय में निवेश के सफल अनुभवों के कई अवसर पैदा किया है. ईटीएफ क्षेत्र में हमारी ऑफरिंग ने निवेशकों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अपेक्षाकृत कम लागत पर व्यापक बाजार पर नजर रखने, प्राइवेट बैंकों की मजबूत स्ट्रक्चरल ग्रोथ स्टोरी का हिस्सा बनने या पीएसयू बैंकों की संभावित री-रेटिंग (जो उनकी वित्तीय योजना और जोखिम सहने की क्षमता पर निर्भर करता है) का फायदा उठाने का मौका देती है."

एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स इंडेक्स लंबी अवधि में कमाई पर बारीकी से नजर रखता है और यह मौजूदा अर्थव्यवस्था का प्रतिनिधित्व करने के लिए सेक्टर के रुझान और रोटेशन को पकड़ता है. इस इंडेक्स को विभिन्न क्षेत्रों में डायवर्स किया गया है और इसमें लार्ज-कैप ओरिएंटेशन है. सूचकांक का एक लंबा इतिहास भी है, जिसमें पुराने डेटा से पता चलता है कि जैसे-जैसे होल्डिंग अवधि बढ़ती है, नकारात्मक रिटर्न की आशंका कम हो जाती है, और तुलनात्मक रूप से उच्च रिटर्न की संभावना बढ़ जाती है.

भारत में प्राइवेट बैंक एक स्ट्रक्चरल ग्रोथ की कहानी रहे हैं और पिछले 18 वर्षों में इन बैंकों की बाजार हिस्सेदारी दोगुनी हो गई है. प्राइवेट सेक्टर के बैंकों की बैलेंस शीट भी मजबूत हो गई है और उनके पास लगातार आ रहे डिपॉजिट और कर्ज की वृद्धि को सपोर्ट करने के लिए अच्छे से पूंजी है. प्राइवेट बैंकों का वित्तीय अनुपात भी पिछले तीन सालों से तेजी से बढ़ रहा है, जबकि उनका मूल्यांकन उनके ऐतिहासिक औसत की तुलना में आकर्षक स्तर पर है. इन बैंकों के लिए कर्ज और जमा की वृद्धि भी मजबूत दर से बढ़ रही है, जबकि नेट एनपीए 8 साल के निचले स्तर पर है.

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)